छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वर्ष – 05 अंक – 18 बैकुंठपुर, मंगलवार 08 अक्टूबर 2024 पृष्ठ –8 मूल्य –1

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

www.cgfrontline.com

जशपुर के साईंटांगरटोली ग्राम में पहुंची नोनी रक्षा रथ

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर पुलिस से संबंधित विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई, सुनी गई समस्याएं

छ.ग.फ्रंटलाइन

कुनकुरी। वर्तमान परिदृष्य में रूरल पुलिसिंग बढ़ाया जाना नितान्त आवष्यक है। इसी के मद्देनजर थाना/चौकी के ग्रामों में जाकर स्थानीय ग्राम प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ सार्वजनिक स्थानों पर बैठकर गांव की समस्या, विवाद एवं शिकायतों के संबंध में जानकारी लेकर जशपुर पुलिस द्वारा उनका निराकरण किया जा रहा है। इसी तारतम्य में पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में विगत दिवस झारखंड सीमा पर स्थित ग्राम साईंटांगरटोली में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत चलित थाना लगाया गया, उक्त चलित थाना में ग्राम प्रमुख, महिलायें, बच्चे एवं युवा भारी संख्या में उपस्थित थे। एसडीओपी जशपुर चंद्रशेखर परमा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि किसी भी प्रकार के अपराध में सम्मिलित नहीं होना चाहिये, अपराध का कोई भविष्य नहीं होता है। श्री परमा ने उदाहरण देकर बताया कि अपराध से दूर रहकर आप आने वाली पीढ़ी को अच्छा जीवन दे सकते हैं। घटना/संदेही के संबंध में सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु कहा गया। शिक्षा के महत्व को बताते

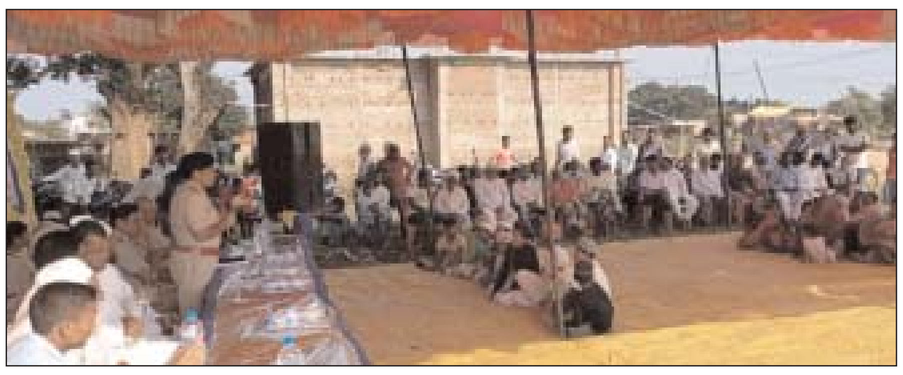

हुये कहा कि सभी अपने बच्चों को जरूर पढ़ाये, शिक्षा से हम बेहतर जीवन जीने के साथ-साथ उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

थाना प्रभारी लोदाम निरीक्षक राकेश यादव ने आम जनता से अपील किया कि किसी भी प्रकार के अपराध में सम्मिलित नहीं होना चाहिये, क्षेत्र में विषेष रूप से गौ-तस्करी की बात सामने आती है इसे बंद कर दूसरा व्यवसाय अपनाने हेतु कहा गया, दूसरे व्यवसाय के संबंध में अनेकों उदाहरण बताया गया कि कैस एक अच्छा सामाजिक जीवन जी सकते हैं। ग्राम में आपसी विवाद को भूलकर पंचायत व समाज के विकास में अपना योगदान देवें। ग्रामीणों को बताया गया कि कैसे आमजनता सोशल मीडिया के उपयोग के दौरान सायबर अपराध के शिकार हो जाते है और उन्हें बताया गया कि कभी भी किसी अन्य व्यक्तियों का फोटो लेकर सोशल मीडिया फेसबुक/इंस्टाग्राम/व्हाट्सएप्प आदि में अपना एकाउण्ट बनाकर, अश्लील विडियो/फोटो पोस्ट न करें, अन्यथा आपके खिलाफ आई.टी.एक्ट के तहत वैधानिक कार्यवाही की जा सकती है। नोनी रक्षा टीम की निरीक्षक आशा तिर्की ने उपस्थित आमजनों को नोनी रक्षा रथ के बारे में एवं हेल्पलाईन नंबर 9479128400 के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया कि वे 24 घंटे कॉल/व्हाट्सअप करके मद्द ले सकते हैं। इसके साथ ही महिला सुरक्षा हेतु निर्मित अभिव्यक्ति एप्प का प्रचार-प्रसार कर इसके कार्य एवं उपयोग के सम्बंध में विस्तृत रूप से बताया गया। उपस्थित लोगों को महिला संबंधी अधिकार एवं उनके सम्मान के बारे में बताया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं पर किसी प्रकार का अप्रिय घटना का सहभागी न बनें, समाज में व्याप्त अंधविष्वास जैसे-टोनही प्रताड़ना, गाज मारने एवं बीमार होने पर झाड-फूंक न कराकर तत्काल ईलाज हेतु अस्पताल जाने हेतु जागरूक किया गया। उपस्थित जनसमूह को सोषल मीडिया की उपयोगिता एवं प्रयोग करने के बारे में, नषा के दुष्परिणाम, घरेलू हिंसा, सर्पदंष, पॉक्सो एक्ट, ऑनलाइन ठगी, सायबर अपराध के संबंध में भी विस्तार से बताया गया। ग्राम में बाहरी व्यक्ति/संदेही के आने पर तत्काल पुलिस को सूचित करने हेतु कहा गया। युवाओं एवं ग्रामीणों को नशे के सामाजिक दुष्प्रभाव से अवगत कराते हुये, विशेष रूप से नवयुवकों को नशे से दूर रहने हेतु कहा गया। कार्यक्रम में एसडीओपी जशपुर श्री चंद्रशेखर परमा, थाना प्रभारी लोदाम निरीक्षक राकेश यादव, निरीक्षक आशा तिर्की एवं महिला सेल के कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा है।

सभी की सक्रियता से सफल होगा भाजपा का राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान: कृष्ण कुमार राय

झंडी दिखा कर रवाना किया गया सदस्यता रथ

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुर। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के सदस्यता रथ को झंडी दिखा कर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश महामंत्री कृष्ण कुमार राय एवं भाजपा जिलाध्यक्ष जशपुर ने रवाना किया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष संतोष सिंह, विक्रमादित्य सिंह जूदेव, भाजयुमो के जिलाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नपा उपाध्यक्ष राजू गुप्ता, जिला प्रभारी रविकांत उरांव, भाजयुमो प्रदेश प्रचार प्रमुख यश प्रताप सिंह जूदेव, मोर्चा के महामंत्री अभिषेक मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष दीपक गुप्ता, निखिल गुप्ता, अभ्युदय मिश्रा, राहुल गुप्ता के साथ कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस दौरान उपस्थित युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए कृष्ण कुमार राय ने कहा कि राष्ट्र व्यापी सदस्यता अभियान में सभी को सक्रिय भागीदारी निभानी है। उन्होनें कहा कि

भाजपा देश की एकमात्र राजनीतिक पार्टी है जो समय-समय पर अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की सदस्यता का नवीनीकरण करती है। जिलाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव ने कहा कि सदस्यता अभियान पार्टी की एक महत्वपूर्ण कार्ययोजना है। इसमें पार्टी के सभी जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता व पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। अगर हम सब को एकजुट हो कर भाजपा को एक बार फिर विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाना है। **पूरे जिले का भ्रमण करेगा रथ –** जिला भाजयुमो अध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव ने बताया कि सदस्यता रथ जिले के सभी मंडलों में भ्रमण करेगा। इस दौरान पार्टी की रीति-नीति, केन्द्र व राज्य सरकार की जनहितकारी योजना और उपब्धियों की जानकारी देकर लोगों को भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के लिए प्रेरित करेगें।

सन्ना में तहसील कार्यालय का किया गया शुभारंभ

जशपुर/कुनकुरी। जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत के मुख्य आतिथ्य पर सन्ना में तहसील कार्यालय का शुभारंभ किया गया,जशपुर विधायक ने यहां विधिवत फीता काट तहसील कार्यालय का उद्घाटन किया। सन्ना में क्षेत्रवासियों की बहु प्रतीक्षित मांग तहसील कार्यालय का आज दोपहर जशपुर विधायक के हाथों उद्घाटन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान जशपुर विधायक ने विधिवत पूजा अर्चना कर फीता काटा और सभी नवनिर्मित तहसील कार्यालय के अंदर प्रवेश किये। इस दौरान अपने संबोधन में जशपुर विधायक ने कहा कि विष्णु सुशासन में चारों तरफ विकास कार्य तेजी से हो रहा है, डबल इंजन की सरकार लगातार विकास कार्यों में गति लाने हर संभव प्रयास कर रही है। इसी का परिणाम है कि आज यहां तहसील कार्यालय का निर्माण पूरा होने के बाद विधिवत इसका उद्घाटन किया गया है।

बहरासी के बैगा जनजातियों के बच्चों को सरकार की योजनाओं का मिल रहा लाभ

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले के भरतपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बहरासी स्थित पोस्टमैट्रिक बालक छात्रावास में बैगा विशेष पिछड़ी जनजाति के बच्चों को सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सरकार द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने कई नए कदम उठाए जा रहे है, पोस्टमैट्रिक बालक छात्रावास में बैगा बच्चों को अच्छी शिक्षा एवं उनके बौद्धिक विकास के लिए स्मार्ट क्लास की सुविधाएं चलाई जा रही है एवं कम्प्यूटर लैब जैसी आधुनिक सुविधाओं का लाभ दिया जा रहा है। स्मार्ट क्लास के माध्यम से बच्चों को इंटरएक्टिव और डिजिटल तरीके से पढ़ाई कराई जा रही

है, जिससे उनके सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी बन रही है। वही कम्प्यूटर लैब के जरिए बच्चे तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे है जिससे उनकी डिजिटल साक्षरता बढ़ रही है और भविष्य में रोजगार के नए अवसर मिल सकेंगे। बहरासी का यह छात्रावास बैगा जनजाति के बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है जहाँ उन्हें मुफ्त आवास, भोजन और अन्य शैक्षिक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। स्थानीय प्रशासन और सरकार के समन्वय से बैगा जनजाति के बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके उज्जवल भविष्य की दिशा में काम किया जा रहा है। इस प्रकार की योजनाएं बैगा जनजाति के बच्चों के जीवन मे सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार वर्ष 2024 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं, विशेष कर वीरता, शौर्य, साहस तथा महिलाओं में आत्मबल को सशक्त करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रतिवर्ष वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी स्मृति पुरस्कार प्रदान किया जाना है। इसके तहत् एक महिला को 2.00 लाख रूपये की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका सम्मान के रूप में प्रदान किए जाने का प्रावधान है। उपरोक्त विषय के संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग से भी प्राप्त कर सकते हैं। पात्र अभ्यर्थी अपना आवेदन 10 अक्टूबर 2024 तक कार्यालय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में जमा कर सकते हैं।

जशपुर के बगीचा में सनसनीखेज वारदात

शराब पीने के लिये पैसा नहीं मिलने पर अपने 80 वर्षीय पिता को बेटे ने मार डाला, बगीचा पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

छ.ग.फ्रंटलाइन

कुनकुरी। प्रकरण के संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मामले का विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी दसई राम उम्र 50 साल निवासी पुरंगा ने थाना बगीचा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके घर के बगल में उसके चाचा जधिया राम का घर है। यह दिनांक 05 अक्टूबर 2024 की रात्रि लगभग 08ः00 बजे अपने घर में बैठा था, उसी दौरान देखा कि इसका चचेरा भाई अलंग साय बस्ती की तरफ से शराब के नशे में चूर होकर आया और अपनी पत्नी से पुनः शराब पीने के लिये पैसा की मांग करने लगा। पत्नी द्वारा पैसा नहीं देने पर उसे मारने-पीटने के लिये दौड़ाया, तब उसकी पत्नी बच्चों को लेकर बस्ती की ओर भाग गई। जधिया राम की पत्नी सुबह से घर में नहीं थी। कुछ देर पश्चात् प्रार्थी का चाचा जधिया राम अपने घर में अकेला सो रहा था, उसके कमरे में लाईट जल रहा था, उसी दौरान प्रार्थी देखा कि उसका चचेरा भाई अलंग साय अपने पिता जधिया राम के पास गया और उनसे शराब पीने के लिये पैसा की मांग करने लगा, जब वह पैसा देने के लिये मना करते रहे एवं डांटने पर नाराज होकर आवेश में आकर अलंग साय ने घर में रखा सरई लकड़ी का फारा से उनके सिर, सीना, पीठ, बांये हाथ पर मारने लगा। प्रार्थी यह सब देखकर डर से उसे छुड़ाने नहीं गया कि अलंग साय उसे भी मारपीट करने लगेगा। ज्यादा रात होने से प्रार्थी अपने घर में सोने चला गया। दिनांक 06 अक्टूबर 2024 के प्रातः में प्रार्थी अपने चाचा को देखने के लिये गांव के एक व्यक्ति को साथ लेकर उनके घर के पास गया था, इस दौरान जधिया साय की पत्नी भी घर में तुरंत आई थी। प्रार्थी द्वारा जधिया साय के बारे में पूछते हुये वे तीनों जधिया साय के कमरे में जाकर देखा कि वे जमीन पर लेटे थे, हिला-डुलाकर देखने पर उनके सिर पर चोट लगने से खून निकल रहा था एवं मारपीट करने का निशान दिखाई दिया, जधिया साय की मृत्यू हो चुकी थी। प्रार्थी की उक्त रिपोर्ट पर मर्ग पंजीबद्ध कर मृतक का पी.एम. कराया गया, पी.एम. रिपोर्ट पर अपराध घटित होना पाये जाने पर मामले में धारा 103(1) बी.एन.एस. का अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान प्रकरण के आरोपी अलंग साय को दबिश देकर चंद घंटे में उसके ग्राम से अभिरक्षा में लिया गया, पूछताछ में आरोपी ने उक्त अपराध को घटित करना स्वीकार किया एवं उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त लकड़ी का फारा को जप्त किया गया है। आरोपी अलंग साय उम्र 40 साल निवासी पुरंगा थाना बगीचा को दिनांक 06 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। इस प्रकरण की विवेचना कार्यवाही एवं आरोपी की गिरफ्तारी में निरीक्षक रामसाय पैंकरा, प्रधान आरक्षक 213 लक्ष्मण सिंह, आरक्षक 30 अखिलेश उपाध्याय, आरक्षक 557 रामवृक्ष राम, आरक्षक 747 उमेश कुमार भारद्वाज, आरक्षक 199 विनोद यादव, सैनिक बली रवि का सराहनीय योगदान रहा है।

पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बकरी और मोटरसाइकिल बरामद की

कुनकुरी। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी शहनवाज अहमद निवासी चरईडांड़ ने दिनांक 05.10.2024 को अपने बकरी को चरईडांड़ में खुले स्थान में चरने के लिये छोड़ा था, तभी उसके खेत में चर रहे बकरी को एक मोटर सायकल में सवार 02 व्यक्तियों ने अचानक खेत से चोरी करते हुये वाहन में लोड कर जशपुर की ओर भागने लगे। इसकी सूचना तत्काल ग्रामीणों ने थाना कुनकुरी को दिया। थाना कुनकुरी द्वारा तत्परतापूर्वक तत्काल कार्यवाही करते हुये बकरी चोरी कर भाग रहे दोनो व्यक्तियों का पीछा किया गया, इसी दौरान बकरी चोरी करने वाले हड़बड़ा कर चोरी का बकरी एवं मोटर सायकल को नाला में छोड़कर पैदल भाग रहे जिन्हें पीछा कर, मोटर सायकल क्र. सी.जी. 14 एम.के. 1966 को जप्त करते हुये उन्हें अभिरक्षा में लेकर थाना लाया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने उक्त बकरी को चरईडांड़ के खेत में चोरी करना स्वीकार किया।

जिले में बकरी प्लेग (पीपीआर) से बचाव हेतु सघन टीकाकरण अभियान प्रारंभ

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिले में भेड़ एवं बकरी प्रजाति के पशुओं को श्बकरी प्लेगष् (पीपीआर) से सुरक्षित रखने के लिए 1 अक्टूबर 2024 से सघन टीकाकरण अभियान की शुरुआत कर दी गई है। यह अभियान 31 अक्टूबर 2024 तक चलेगा, जिसमें जिले के सभी ग्रामों में शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। पशु चिकित्सा सेवाओं के अनुसार, टीकाकरण अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला पशुधन विकास विभाग द्वारा टीकाकरण दल गठित कर उन्हें टीके और आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाई गई है। इस अभियान के तहत,

जिले के एक और दोनों विकासखंडों के प्रभारी अधिकारियों को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। टीकाकरण से पूर्व पशुओं को कृमिनाशक दवाएं दी जा रही हैं, और टीकों के शीत-श्रृंखला प्रबंधन का विशेष ध्यान रखा जा रहा है, जिससे पशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता का अधिकतम विकास हो सके। इस अभियान में मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई (एमवीयू) को भी शामिल किया गया है। साथ ही, विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, प्राइवेट कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्ताओं और गौ सेवकों को प्रतिदिन किए गए टीकाकरण के डेटा को भारत पशुधन ऐप में दर्ज करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। पशुपालकों से अपील की गई है कि वे इस सघन टीकाकरण अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि उनके पशु इस संक्रामक बीमारी से सुरक्षित रह सकें।

श्रद्धालुओं का अयोध्या भ्रमण: जिला पंचायत अध्यक्ष एवं कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर बस को किया रवाना

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जिले के 108 श्रद्धालु श्री रामलला दर्शन के लिए अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। कलेक्ट्रेट परिसर से जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेणुका सिंह एवं कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखाकर श्रद्धालुओं को सफल यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए बस को रवाना की। श्रद्धालु श्री राम लला के दर्शन के लिए बेहद उत्साहित नजर आए। वहीं सभी तीर्थ यात्रियों ने श्रीरामलला का दर्शन योजना

की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद ज्ञापित किया एवं जय श्रीराम के उदघोष के साथ सुबह करीब 8 बजे, बस अंबिकापुर रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हुए, जहां से वे विशेष ट्रेन द्वारा अयोध्या धाम पहुंचेंगे। श्री रामलला दर्शन (अयोध्या धाम) यात्रा योजना 2024 के तहत जिले का यह पांचवां चरण था। आज के यात्रा में बैकुंठपुर व सोनहत विकासखण्ड से कुल 108 श्रद्धालु हैं, जिसमें 53 महिलाएं और 55 पुरुष शामिल हैं। इस यात्रा में तीन एस्कार्ट भी रवाना हुए हैं। बस को हरी झंडी दिखाने के दौरान बड़ी संख्या में यात्रियों के परिजन और सम्बंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने श्रद्धालुओं को सुखद व मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी।

एसईसीएल कर्मचारियों के बीच बंटेंगे बोनस के लगभग 3 अरब रुपए

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल ने दशहरे से पहले अपने कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा दे दिया है। कंपनी द्वारा अपने 36000 से अधिक कर्मियों को लगभग 295 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा रहा है। कंपनी के प्रत्येक कर्मी के खाते में 93750 रुपए के बोनस के रूप में पहुंचेगे। पिछले वर्ष एसईसीएल द्वारा कर्मियों को 85 हजार रुपए के बोनस का भुगतान किया गया था और इस प्रकार इस वर्ष के बोनस में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। वर्ष 2010 में कर्मियों को बोनस के रूप में 17000 रुपए मिले थे और पिछले 12 वर्षों में कर्मचारियों के बोनस में 5 गुना से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। अगर पूरे कोल इण्डिया को देखा जाए तो यहां दो लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। इस प्रकार इन कर्मचारियों के मध्य 1850 करोड़ से अधिक की राशि का वितरण होगा। कोल इंडिया एवं उसके अनुषांगिक कंपनियों सहित सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के कामगारों का बोनस तय करने हेतु नई दिल्ली में हाल ही में बैठक आहूत की गई थी, जिसमें कोल इण्डिया प्रबंधन व यूनियन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

रामानुजगंज नगर पंचायत क्षेत्र में बारिश का पानी दुकानों एवं घरों में घुसा

★ प्रभारी सीएमओ एव अध्यक्ष की लापरवाही उजागर

★ स्वच्छता अभियान का ढोंग करने वाला छत्तीसगढ़ का पहला नगर पंचायत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

रामानुजगंज। आज नगर में शाम के समय भारी बारिश होने के कारण कई मुहल्लों की दुकानों तक में पानी घुस गया। सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया था। बारिश रुकने के

काफी देर बाद सड़कों पर पानी भरा रहा। रामानुजगंज नगर पंचायत के द्वारा जाम नालियों को सफाई नहीं करने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हई। शाम 4.00 के लगभग अचानक से भरी-भरी शुरू हो गई जिसके कारण नगर जल मग्न हो गई सबसे भारी क्षति स्टेट बैंक रोड में रहने वाले दुकानदारों को हुई है रामानुजगंज नगर पंचायत के प्रभारी सीएमओ सुधीर श्रीवास एवं नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल की लापरवाही से सही समय पर दोनों ओर से बहने वाली नालियों की साफ सफाई नहीं कराई गई गत दिनों स्वच्छता अभियान भी चल रहा था इसके बाद भी दोनों महानुभावों के लापरवाही का नतीजा आज दुकानदारों को भुगतना पड़ा।

भारी बारिश के कारण लोगों के दुकानों में पानी घुस जाने के कारण लाखों रुपए की समान भींग गई खास कर किराना दुकान वाले को लाखों रुपए की छती हुई है वहीं भारतीय स्टेट बैंक में अंदर तक पानी चला गया यही नजारा एक्सिस बैंक का भी था। समेकित कर वसूलने वाला नगर पंचायत लोगों की सुविधाओं का ख्याल रखने में अक्षम साबित नहीं हो पा रहा है जिसका खामियाजा नगर की जनता को उठाना पड़ रहा है। सबसे बड़ी ताजुब की बात यह है कि उक्त घटना के संबंध में दुकानदारों के द्वारा सोशल मीडिया में उक्त समस्या का वीडियो बनाकर वायरल करने के बाद भी रामानुजगंज नगर पंचायत के लापरवाह अधिकारी मौके तक नहीं पहुंचे और नाही इसके बारे में कोई शुद्ध ली। नगर पंचायत की इस खटिया व्यवस्था को लोग थू थू करते नजर आ रहे हैं। जिन व्यापारियों का लाखों रुपए का समान का नुकसान हुआ है क्या उन व्यापारियों को अपने द्वारा बरते गए लपरवाही के कारण जो नुकसान हुआ है क्या नगर पंचायत भरपाई कर पाएगा? राजनीति पहुंच के कारण चढ़ावा चढ़ा कर कोई भी प्रभारी अधिकारी बन जा रहा है और जो चढ़ावा चढ़ा कर आया है वह आम जनता के लिए बेहतर सोच रखे ऐ तो संभव नहीं है

स्वाभाविक सी बात है कि इस क्षेत्र के प्रभावशाली जनप्रतिनिधि के इशारे पर जब उसकी नियुक्ति की गई है तो वह किस मुंह से उसे अधिकारी पर दबाव बना सकते हैं? लेकिन नगर पंचायत परिषद के अध्यक्ष एवं पार्षदों को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि अपने अधिकार क्षेत्र में जो कार्य करने हैं उसको समय से कराकर अप टू डेट रखना चाहिए ताकि नगर वासियों को किसी भी प्रकार का असुविधा न हो और उनके साथ पर बट्ट ना लगे? क्या जनता आपकी चुनाव इसीलिए की थीं कि आप उसके विश्वासों पर खरा ना उतरे। लेकिन इसके लिए नगर पंचायत रामानुजगंज परिषद कभी गंभीर नहीं रहा। जिसका खामियाजा आज आम जनता को भुगतना पकड़ना पड़ रहा है। स्वच्छता अभियान का ढोंग करने वाला शायद यह छत्तीसगढ़ का पहला नगर पंचायत होगा जहां कूड़ो ढेर लगा रहता है।

सड़क पर दुकान लगाए जाने से आमजन की बढ़ी मुश्किल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। त्यौहारी सीजन में सड़क पर दुकानों को लगाए जाने से अक्सर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित अधिकारियों द्वारा मामले में आंख मूंद कर रखने से लोगों में नाराजगी व्याप्त है। गौरतलब है कि कोयलांचल में बस स्टैंड के पास राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर फल व अन्य दुकानों के लगाए जाने व वाहनों के बेतरतीब तरीके से खड़े रहने से लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि इन दिनों त्यौहारी सीजन शुरू होने से लोगों की मार्केट में आमदरफ्त बढ़ गई है, जिससे अक्सर आमजन को जाम की स्थिति निर्मित होने पर दो चार होने विवश होना पड़ रहा है। साथ ही भीड़भाड़ की वजह से यहां पर दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ी रहती है। अमूमन यही स्थिति पूरे मार्केट में देखने को मिल रही है कि कई दुकानदारों

द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग तक दुकानों के सामान रख दिए जाने से पार्किंग की समस्या भी बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में संबंधित अधिकारियों द्वारा मामले में व्यवस्था सुदृढ़ कराए जाने हेतु कोई पहल नहीं किए जाने से लोगों में खासी नाराजगी देखने को मिल रही है। यहां की स्थिति देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि मानो यहां पर कोई कानूनी भय लोगों में नहीं है। नगर के बस स्टैंड से लेकर सिंह पेट्रोल पंप तक सड़क के दोनों ओर बड़ी छोटी वाहनों के खड़े रहने से भी आमजन को परेशानी उठानी पड़ रही है। ऐसी स्थिति में यहां पर हमेशा किसी अनहोनी का भय भी बना रहता है।

भेजा गया सूचना

मार्केट में त्यौहारी सीजन में भीड़ बढ़ने पर आवागमन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु दुकानदारों को एक लिखित सूचना भेजा जा रहा है। सूचना के माध्यम से दुकानों को सड़क से हटाकर लगाए जाने की बात कही गई है। इसके बाद भी यदि कोई दुकानदार सड़क पर फलों व सामानों को रखेगा, तो फिर अभियान चलाकर कार्यवाही की जाएगी।

अलरिक लकड़ा
टीआई, बिश्रामपुर

नपा अध्यक्ष के के अग्रवाल ने दिखाई बस को हरी झंडी

147 तीर्थ यात्री अयोध्या के लिए रवाना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राज्य सरकार की अयोध्या धाम तीर्थ यात्रा योजना के तहत सोमवार को जिले के 147 यात्रियों को नगरपालिका अध्यक्ष के के अग्रवाल एवं प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रवेश गोयल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और समस्त तीर्थ यात्रियों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्र के 128 एवं शहरी क्षेत्र के 14 तीर्थ यात्रियों को आज जनपद कार्यलय के सामने से निजी बस से अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन के लिए रवाना किया गया। यात्रियों की देखरेख एवं मार्गदर्शन के लिए पांच शासकीय कर्मचारियों को भी बतौर सहयोगी नियुक्त करते हुए रवाना किया गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष केके अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ सरकार की इस तीर्थयात्रा योजना की सराहना की और कहा कि गरीब एवं बुजुर्ग छत्तीसगढ़ वासियों को राम जन्म भूमि समेत अन्य तीर्थ स्थलों की यात्रा कराना बहुत ही पुण्य का कार्य है, उन्होंने तीर्थ यात्रियों के सकुशल वापस लौटने की कामना की और सभी के पैर छूकर उन्होंने आशीर्वाद लिया और जय श्री राम के उद्घोष के साथ हरी झंडी दिखाकर उन्हें रवाना किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत सूरजपुर के सीईओ विनोद सिंह, अर्जुन गुर्जर, उपेंद्र तिवारी, पुनीत सिंह के अलावा अग्रसेन वार्ड के तीर्थ यात्री शांति देवी केवट, शांति सारथी, मानमती साहू, रामकुमारी देवांगन, लालमुनी देवांगन, सुखमाया देवांगन, ज्योत्सना राज शर्मा, भगमनिया साहू, सुमित्रा रजक सहित बड़ी संख्या में तीर्थयात्री उपस्थित रहे।

नए वित्तीय वर्ष में निधि की राशि जारी नहीं होने से अटके कई कार्य

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों को नए वित्तीय वर्ष में निधि की राशि शासन द्वारा आज तक उपलब्ध नहीं कराए जाने से कई विकास कार्य अटक गए हैं। अध्यक्ष व पार्षद निधि के उपलब्ध नहीं होने से वार्डों के विकास कार्यों पर ग्रहण लग गई है। गौरतलब है कि नए वित्तीय वर्ष में शासन द्वारा करीब पांच महीने बाद भी अध्यक्ष निधि व पार्षद निधि की राशि उपलब्ध नहीं कराई गई है। अध्यक्ष निधि में पूर्व में भूपेश सरकार द्वारा बढ़ोत्तरी करके 15 की बजाए करीब 21 लाख रुपए व पार्षद निधि में बढ़ोत्तरी करके 2 की बजाए 3 लाख रुपए विकास व अन्य आवश्यक कार्य पर खर्च करने हेतु शासन द्वारा दिया जाने लगा है। अध्यक्ष व पार्षद निधि की राशि से ही अध्यक्ष व पार्षद द्वारा वार्डों की आवश्यकतानुसार मूलभूत सुविधाओं के लिए राशि खर्च कर सकते हैं, लेकिन नए वित्तीय वर्ष में राशि नहीं उपलब्ध होने की वजह से अध्यक्ष व पार्षदों के मंसूबे पर पानी फिरता दिखाई पड़ रहा है। साथ ही अध्यक्ष व पार्षद यहां पर आमजन की आवश्यकतानुसार राशि खर्च नहीं कर पा रहे हैं और कई

विकास कार्यों के प्रोजेक्ट अटक गए हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि अब आगामी नवंबर महीने में ही नगरीय निकायों के चुनाव हेतु आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी और पार्षदों के मंसूबे राशि के अभाव में अधूरे ही रह जाएंगे। ऐसी स्थिति में यदि जल्द ही शासन द्वारा अध्यक्ष व पार्षद निधि की राशि जारी नहीं की गई तो वार्डवासियों के कई विकास कार्यों के मंसूबे पर पानी फिर सकता है। नगर पंचायत बिश्रामपुर के जनप्रतिनिधियों द्वारा जल्द ही शासन से अध्यक्ष व पार्षद निधि की राशि को जारी किए जाने की मांग की गई है।

अधिकार का हो रहा हनन

अध्यक्ष व पार्षद निधि की राशि जनप्रतिनिधियों का अधिकार है। शासन द्वारा जनप्रतिनिधियों के अधिकार का हनन किया जा रहा है। नए वित्तीय वर्ष के इतने महीने बीत जाने के बाद भी निधि की राशि जारी नहीं होने से वार्डवासियों की छोटी छोटी मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति नहीं हो पा रही है। अब तो चुनावी बिगुल भी जल्द ही बजने की उम्मीद है, जिससे शासन द्वारा यदि जल्द ही निधि की राशि जारी कर दी जाती तो आमजन के विकास कार्यों को गति मिल जाती।

आशीष यादव
अध्यक्ष नगर पंचायत
बिश्रामपुर

लोगों की अपेक्षाएं रह गई अधूरी

वार्डवासियों द्वारा अपने वार्ड के विकास के सपने को संजोकर पार्षद चुना जाता है। ऐसी स्थिति में शासन द्वारा नए वित्तीय वर्ष में अभी तक पार्षद निधि की राशि जारी नहीं किए जाने की वजह से वार्ड के लोगों की अपेक्षाएं अधूरी रह गई हैं। शासन द्वारा यदि जल्द ही निधि की राशि को जारी नहीं किया गया तब हम वार्ड वासियों के मंसूबे को पूरा कर पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे। अब आगामी महीने में ही नगरीय निकायों के चुनावी बिगुल भी बज सकते हैं।

संजीत यादव
निर्दलीय पार्षद

राजस्व संबंधी मामलों के निपटारे में आएगी गति : लक्ष्मी राजवाड़े

लटोरी में नवीन तहसील कार्यालय भवन का किया गया लोकार्पण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। लटोरी में तहसील कार्यालय खुल जाने से आम नागरिकों को अब राजस्व संबंधी कामकाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। नवीन तहसील कार्यालय भवन के शुरू से क्षेत्र के नागरिकों को इसका भरपूर लाभ मिलेगा। राजस्व संबंधी मामलों के निपटारे में गति आएगी। साथ ही शासकीय योजनाओं के सुचारू रूप से क्रियान्वयन एवं प्रशासकीय कामकाज में कसावट लाने में सुविधा होगी। शासन की योजनाएं एवं मूलभूत सुविधाएं आम नागरिकों को आसानी से उपलब्ध होगी और विकास की रफ्तार भी बढ़ेगी। उक्त बातें महिला बाल विकास मंत्री व भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने सोमवार को नवीन तहसील कार्यालय भवन के लोकार्पण अवसर पर मुख्य आतिथ्य की आसंदी से व्यक्त करते हुए कही। उन्होंने कहा कि अब ग्राम पंचायत लटोरी और इसके आसपास के क्षेत्र के लोगों को सरकारी कार्यों जैसे भूमि रिकॉर्ड, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, और अन्य प्रशासनिक सेवाओं के लिए समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। स्थानीय लोगों को समय और पैसे की बचत होगी। साथ ही उनकी समस्याओं का तेजी से समाधान भी होगा। नवीन तहसील कार्यालय भवन के लोकार्पण समारोह में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े समेत अन्य अतिथियों जिला पंचायत सदस्य महेश्वर पैकरा, भाजयुमो जिलाध्यक्ष रविन्द्र भारती, नूतन विश्वास, किरण केराम का स्वागत किया गया। इसके पश्चात कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा विधिवत पूजा अर्चना करके नवीन तहसील कार्यालय भवन का फीता काट कर लोकार्पण किया गया। ज्ञात हो कि नवीन तहसील का निर्माण लटोरी के नवापारा खदान के मुख्य द्वार के सामने 71.12 लाख रुपए की लागत से कराया गया है। तहसील भवन के निर्माण से यहां पर 64 ग्रामों के लोगों को इसका लाभ मिलेगा। लटोरी तहसील का गठन 11 नवंबर 2020 को किया गया था। इस तहसील अंतर्गत 23583 खातेदार हैं और हल्का 28 एवं 3 राजस्व निरीक्षक हैं। कार्यक्रम में लटोरी भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहन शर्मा, बीना गुप्ता, भटगांव मंडल अध्यक्ष सुभाष राजवाड़े, भैयाथान मंडल अध्यक्ष मार्तंड साहू, प्रदीप द्विवेदी, लालचंद शर्मा, भाजपा मंडल महामंत्री भोग प्रसाद राजवाड़े, ठाकुर सिंह, अनिल जायसवाल, शिव राजवाड़े, गिरवर राजवाड़े, हीराधन राजवाड़े, शिशुपाल राजवाड़े, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुरेश सोनी, धन कुमार, सुरजीत कुमार, पप्पू साहू, टिकेश राजवाड़े, उमाशंकर राजवाड़े, बाहर राम राजवाडे, कमलेश सिंह, मोहन लाल चेरवा, पीतांबर राजवाड़े, मुखड़े राजवाड़े समेत लटोरी तहसीलदार सुरेंद्र पैकरा, लटोरी चौकी प्रभारी विराट विशी, राजस्व निरीक्षक व अन्य उपस्थित थे।

किया गया पौधरोपण

लटोरी नवीन तहसील कार्यालय भवन के लोकार्पण समारोह में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े समेत अन्य अतिथियों द्वारा एक पेंड मां के नाम अभियान के तहत कई तरह के पौधों को रोपित किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से सभी लोगों को पौधरोपण करके जीवन को खुशहाल बनाए रखने का संदेश दिया गया।

आसरा टूर एंड ट्रेवल्स से सुरजपुर जिले के 40 लोग उमरा के लिए रवाना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। असरा टूर एंड ट्रेवल्स से सूरजपुर जिले के 40 लोग मुबारक सफर- ए-उमरा के लिए रवाना हुए। इस मौके पर लोगों ने जायरीन को फूल माला पहनाकर व गले मिलकर विदाई दी। लोगों ने जायरीन से उमरा के दौरान अपने हक में दुआ की गुजारिश की। साथ ही साथ देश व दुनिया मे अमन चैन कायम हो इसकी कामना की। असरा टूर एंड ट्रेवल्स के संचालक हाफिज अफजल खान ने बताया कि सूरजपुर जिले के सुरता पौड़ी शिवपुर के 40 जायरीन उमराह के लिए रवाना संचालक हाफिज अफजल खान ने बताया की यह टूर मुंबई से शुरू होकर फ्लाइट से डायरेक्ट बगदाद जाएगा बगदाद से नजफ शरीफ कर्बला शरीफ उसके बाद फ्लाइट से डायरेक्ट सऊदी अरब के जददा

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचेगी वहां से मक्का और फिर मदीना की जियारत होगी वापसी फ्लाइट मदीना से हैदराबाद वापस आएगी इससे पहले जायरीन घर से निकलने के साथ ही पैदल ही मुहल्ले के लोगों के घर घर पहुंच कर मुलाकात की। लोगों ने गले मिले और एक-दूसरे से माफी मांग, गिला सिकवा दूर कर यात्रा की सफलता की कामना की। परिजनों व गांव वासियों ने जायरीन को फूल माला पहनकर विदा किया। मालूम हो कि उमरा की यात्रा कल 27 दिनों की होगी जिसमें 12 दिन इराक के बगदाद शरीफ उसके बाद सऊदी अरब के मक्का और मदीना में 15 दिन रहेगी वापसी फिर मदीना से हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट वापस होगी इस दौरान संचालक हाफिज अफअफजल ने बताया की यात्रा में जाने वाले सभी यात्रियों के स्वास्थ्य सुविधा सहीत अन्य सुविधा उनको प्रदान की जाएगी।

चौपाल लगाकर पीएम आवास के हितग्राहियों को किया जा रहा प्रोत्साहित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को शत प्रतिशत रूप से लाभान्वित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा चौपाल लगाकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस अवसर पर सभी लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ लेने एवं समय सीमा में आवास निर्माण करने को कहा जा रहा है। इस क्रम के आज जिले के विभिन्न जनपदों के विभिन्न क्षेत्रों, ग्रामों में आवास निर्माण कार्य के सफल संपादन के लिये मार्गदर्शन दिया गया। भैयाथान के ग्राम बुंदीया, ओड़गी के रामपुर, प्रतापपुर के धोन्धा, टुकुडांड सहित विभिन्न ग्रामों में आवास चौपाल का आयोजन किया गया।

बाजार से वापस घर लौट रही विवाहिता से छेड़छाड़, जुर्म दर्ज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बाजार करके घर वापस लौट रही विवाहिता के साथ छेड़खानी किए जाने के मामले में पुलिस ने जुर्म दर्ज कर लिया है। करंजी पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत खोपा निवासी आरोपी अतेलाल पिता लिखू राजवाड़े द्वारा गत दिनों बाजार से वापस घर लौट रही विवाहिता के साथ छेड़छाड़ किया गया है। विवाहिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 126,115 (2), 74 के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में महाकुम्भ 2025 के लोगों का किया अनावरण

बेहद खास है महाकुम्भ-25 का लोगो, उकेरी गई अमृत कलश से लेकर अक्षयवट समेत संगम की सैटेलाइट छवि

- धार्मिक समृद्धि के साथ ही आर्थिक समृद्धि का संदेश दे रहा महाकुम्भ-25 का लोगो
- सभी सिद्धि प्रदान करने वाला अर्थात 'सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः' बना महाकुम्भ का ध्येय वाक्य
- संगमनगरी के किनारे स्थित सभी धर्मिक स्थलों और सनातन परंपरा से संबंधित सभी परंपराओं को किया गया है शामिल

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रयागराज में महाकुम्भ-25 के लिए नए बहुरंगी प्रतीक चिन्ह (लोगो) का अनावरण किया। महाकुम्भ-25 का यह लोगो धार्मिक और आर्थिक समृद्धता के संदेश का एक प्रेरणादायक स्रोत है, जिसमें समुद्र मंथन में निकले अमृत कलश को महाकुम्भ के लोगो में दशार्या गया है। मंदिर, द्रष्टा, कलश और अक्षयवट के साथ ही हनुमान जी की छवि से युक्त महाकुम्भ का यह लोगो सनातन सभ्यता में शामिल प्रकृति और मानवता के संगम के साथ ही आत्म जागृति और जनकल्याण के अनंत प्रवाह का भी प्रतीक है।

यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल कुम्भ मेला तीर्थयात्रियों की दुनिया की सबसे बड़े शांतिपूर्ण आयोजन के रूप में माना जाता है। महाकुंम्भ का ध्येय वाक्य सर्वसिद्धिप्रदः कुम्भः (सभी प्रकार की सिद्धि प्रदान करने वाला कुम्भ) है। दुनिया के सबसे बड़े मेलों में शुमार महाकुम्भ के लोगो को बहुमुखी बनाने का सफल प्रयास किया गया है। महाकुम्भ में देश भर से सभी संप्रदायों के साधु-संत बड़ी संख्या में शामिल होते हैं, जिन्हें लोगो में एक साधु द्वारा महाकुम्भ के लिए शंखनाद करते दिखाया गया है। वहीं दो साधुओं को प्रणाम की मुद्रा में दशार्या गया है। इसके अलावा संगमनगरी के किनारे स्थित सभी धर्मिक स्थलों और सनातन परंपरा से संबंधित सभी परंपराएं शामिल की गई हैं। लोगो में शामिल अमृत कलश के मुख को भगवान विष्णु, गर्दन को रूद्र, आधार को ब्रम्हा, बीच के भाग को समस्त देवियों और अंदर के जल को संपूर्ण सागर का प्रतीक माना जाता है।

लोगो में दिखेगी संगम की सैटेलाइट छवि

महाकुम्भ का आयोजन विश्व भर से श्रद्धालुओं को एकजुट करने वाला एक महत्वपूर्ण सामाजिक और धार्मिक उत्सव है। चूंकि इस बार यह आयोजन प्रयागराज में हो रहा है तो प्रयागराज के सबसे धार्मिक महत्व वाले स्थल यानी तीनों नदियों (गंगा, यमुना और सरस्वती) की त्रिवेणी संगम को भी महाकुम्भ के लोगो में जगह दी गई है।

लोगो में छिपा है धार्मिक समृद्धि के साथ आर्थिक समृद्धि का संदेश

महाकुम्भ मानव-जाति को पाप, पुण्य और अंधकार व प्रकाश का बोध कराता है। यही वजह है कि पूरी दुनिया से करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु महाकुम्भ में आस्था की डुबकी लगाने के लिए पहुंचते हैं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस धार्मिक महाकुम्भ को आर्थिक महाकुम्भ के रूप में दिव्य, भव्य और नव्य तरीके से आयोजित करने का निर्देश दिया है और स्वयं समय-समय पर इसका निरीक्षण करते हैं। लोगो में शामिल कलश को आर्थिक समृद्धता के रूप में भी शामिल किया गया है। सीएम योगी के नेतृत्व में सतत विकास की राह पर अग्रसर उत्तर प्रदेश महाकुम्भ के आयोजन से आर्थिकरूप से और समृद्ध होगा।

गोवा में सांप्रदायिक तनाव भड़का रही है भाजपा

राहुल गांधी ने कहा- लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को देख रहे हैं

एजेंसी

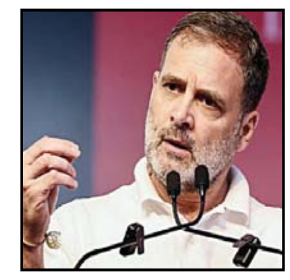

नई दिल्ली, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी पर जानबूझकर गोवा में सांप्रदायिक तनाव भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रयासों को चुनौती दी जाएगी क्योंकि गोवा और पूरे भारत के लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को समझते हैं और एकजुट हैं।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'गोवा का आकर्षण इसकी प्राकृतिक सुंदरता और इसके विविध और सामंजस्यपूर्ण लोगों की गर्मजोशी और आतिथ्य में निहित है।' उन्होंने आगे कहा कि दुर्भाग्य से, भाजपा शासन में इस सद्भाव पर हमला हो रहा है। भाजपा जानबूझकर सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा दे रही है, जिसमें आरएसएस के एक पूर्व नेता ईसाइयों और संघ से जुड़े संगठनों को भड़काकर मुसलमानों के आर्थिक बहिष्कार का आह्वान कर रहे हैं।

गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे भारत में, संघ परिवार द्वारा इसी तरह की कार्रवाइयाँ बिना किसी रोक-टोक के जारी हैं, जिन्हें उच्चतम स्तरों से समर्थन मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'गोवा में, भाजपा की रणनीति स्पष्ट है, अवैध रूप से हरी भूमि को परिवर्तित करके और पर्यावरण नियमों को दरकिनार करके पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों का दोहन करते हुए लोगों को विभाजित करना - गोवा की प्राकृतिक और सामाजिक विरासत पर हमला।' अंत में उन्होंने लिखा, 'ऐसा नहीं है कि भाजपा की कोशिशों को चुनौती नहीं दी जाएगी। गोवा और पूरे भारत के लोग इस विभाजनकारी एजेंडे को देख रहे हैं तथा एकजुट खड़े हैं।'

मौसम

अधिकतम तापमान 43.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना	7,177/ g
चांदी	96/ g
सेंसेक्स	81,332.72
निफ्टी	24,834.85

केरल में पशु वसा प्रसंस्करण कंपनी में विस्फोट से श्रमिक की मौत, तीन घायल

एजेंसी

नई दिल्ली, केरल में कलमस्सेरी के पास एडयार में पशु वसा आधारित उत्पाद बनाने वाली एक कंपनी में हुए विस्फोट में एक श्रमिक की मौत हो गई है और तीन अन्य लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अजय के रूप में की गई है और घायल तीनों मजदूर ओडिशा के मूल निवासी हैं। पुलिस नेबताया कि घायलों को कलमस्सेरी स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है और बताया जा रहा है कि उनकी हालत गंभीर नहीं है। प्रारंभिक रिपोर्ट से

पता चलता है कि शनिवार रात को गैस स्टोव के वाल्व में कोई खराबी आ जाने के कारण विस्फोट हुआ। विस्फोट के बाद अग्निशमन विभाग और पुलिस का दल घटनास्थल पर पहुंचा। पुलिस ने बताया कि यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि आग किस वजह से लगी।

एक राज्य के चुनाव परिणाम को दूसरे चुनावों का जनमत संग्रह नहीं कहा जा सकता : नकवी

एजेंसी

वाराणसी (उत्तर प्रदेश)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि एक राज्य के चुनाव परिणाम को दूसरे चुनावों का जनमत संग्रह नहीं कहा जा सकता। पार्टी के सदस्यता अभियान में भाग लेने यहां पहुंचे नकवी ने कहा, भाजपा ने लगातार तीन लोकसभा और कई विधानसभा चुनावों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हमारे लिए हर चुनाव का नतीजा कुछ सीख देने वाला होता है जिसके साथ हम सफलता पाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ते हैं।

उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के एग्जिट पोल के बारे में पूछे जाने पर किसी राज्य का नाम लिए बिना कहा, एक राज्य के चुनाव परिणाम को दूसरे चुनावों का जनमत संग्रह नहीं कहा जा सकता। हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को मतदान संपन्न होने के बाद, एग्जिट पोल (चुनाव बाद सर्वेक्षण) के नतीजों में यह संभावना जताई गई है कि कांग्रेस पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकती है तथा 10 साल बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता से विदाई हो सकती है। दूसरी तरफ, अधिकतर एग्जिट पोल ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में खंडित जनादेश का अनुमान व्यक्त किया है, हालांकि नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बढ़त मिलने की संभावना भी जताई गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में हर दो-तीन महीने पर कोई न कोई चुनाव होते रहते हैं, इसलिए एक देश, एक चुनाव एक महत्त्वपूर्ण पहल है, जो लोकतंत्र को सशक्त करेगा।

एटा में एक अज्ञात युवती का शव पाया गया

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एटा जिले के जशरथपुर क्षेत्र में रविवार सुबह करीब 40 वर्षीय अज्ञात युवती का शव पाया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जशरथपुर थाना क्षेत्र के चंदनपुर गांव के एक खेत में रविवार को करीब 40 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिला। सुबह खेत में गये लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। शव की पहचान की कोशिश की जा रही है। पुलिस क्षेत्राधिकारी सुधांशु शेखर ने बताया कि शव पर चोट का कोई निशान नहीं मिला है। संबंधित थानाध्यक्ष से मामले की विस्तार से जांच करने को कहा गया है।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश के बिजनौर में मृत पाये गये सात मोर, जांच शुरू

संवाददाता

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर स्थित शेरकोट इलाके में सात मोर मृत पाये गये हैं। प्रभागीय वन अधिकारी ज्ञान सिंह ने बताया कि शनिवार शाम शेरकोट के भिक्कावाले गांव में नहर पुलिया के पास एक खेत में सात राष्ट्रीय पक्षी मोर मरे पाये गये। उनमें से एक मादा मोर है। उन्होंने बताया कि मृत मोरों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से उनकी मौत के सही कारणों का पता चलेगा लेकिन प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि उनकी मौत जहर खाने से हुई है। सभी मोरों की उम्र पांच से सात महीने है। सिंह ने बताया कि मामले का संज्ञान लेते हुए अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच उप प्रभागीय वन अधिकारी, नजीबाबाद को सौंपी गई है।

इलेक्टोरल बॉन्ड योजना बहाल करने पर विचार नहीं करेगा सुप्रीम कोर्ट, खारिज कर दी याचिका

एजेंसी

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने 5 अक्टूबर अपने 15 फरवरी के फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है, जिसने मोदी सरकार की गुमनाम राजनीतिक फंडिंग की चुनावी बांड योजना को रद्द कर दिया था। शीर्ष अदालत ने समीक्षा याचिकाओं को खुली अदालत में सूचीबद्ध करने की प्रार्थना भी खारिज कर दी। समीक्षा याचिकाओं पर गौर करने के बाद, रिकॉर्ड में कोई त्रुटि नजर नहीं आती। सुप्रीम कोर्ट नियम 2013 के आदेश छश्कक नियम 1 के तहत समीक्षा का कोई मामला नहीं है। समीक्षा याचिकाएं खारिज की जाती हैं।

डबल इंजन सरकार पर अरविंद केजरीवाल का वार

पीएम मोदी को किया चैलेंज

एजेंसी

नई दिल्ली, अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'इनकी (बीजेपी) 22 राज्यों में सरकारें हैं आप इनसे पूछना कि वे एक राज्य बता दें, जहां उन्होंने बिजली फ्री की हो। गुजरात में इनके 30 साल से सरकार है उन्होंने एक भी स्कूल ठीक नहीं कराया। 22 राज्यों में इनकी सरकारें हैं, एक काम ये बता दें जो इन्होंने अच्छा काम किया हो।' उन्होंने आगे कहा, 'अगली साल 17 सितंबर को पीएम मोदी रिटायर हो जाएंगे। मैं आपको चुनौती देता हूं कि आप इन एक साल में 22 राज्यों में कोई ऐसा काम करके दिखा दीजिए जो दिल्ली में हुए हैं। 10 साल में इन्होंने कुछ नहीं करा। जब आप रिटायर होंगे तो सब ये तो सोचेंगे कि आपने 10 साल तो कुछ नहीं किया लेकिन 11वें साल में तो कुछ किया। आज मैं पीएम मोदी को कहता हूं कि फरवरी में दिल्ली के चुनाव हैं फरवरी के पहले इन 22 राज्यों में बिजली फ्री कर दीजिए मैं दिल्ली की चुनाव में मोदी जी का प्रचार करूंगा।' केजरीवाल ने भाजपा की डबल इंजन की राज्य सरकारों के नाकाम रहने का आरोप लगाया और हरियाणा तथा जम्मू-कश्मीर से उनके सत्ता से बाहर होने का अनुमान जताया। उन्होंने कहा, 'अब डबल इंजन फेल हो गया है एक इंजन जून में ही खराब हो गया था। जबकि इनकी 240 सीट आई थी। अब दूसरा इंजन एक-एक करके जा रहा है।' केजरीवाल ने कहा, 'अभी हरियाणा से जा रही है फिर जम्मू-कश्मीर, झारखंड और महाराष्ट्र से जाएगी है। लोगों को समझ आ गया है कि डबल इंजन मतलब-महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार इसलिए पूरे देश से इनकी सरकारें जा रही हैं। 10 साल तक इनकी हरियाणा में डबल इंजन की सरकार रही। तो ऐसा क्या किया इन्होंने कि हरियाणा में इन्हें आज कोई अपने गांव में नहीं घुसने दे रहा है। यूपी में 7 साल से इनकी डबल इंजन की सरकार हैं, कुछ तो आपने गड़बड़ की होगी जो लोकसभा चुनाव में यूपी में आपकी आधी सीट रह गई।'

मुख्यमंत्री मान के हस्तक्षेप के बाद चावल मिल मालिकों ने हड़ताल खत्म की

एजेंसी

नई दिल्ली, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को राज्य के चावल मिल मालिकों को आश्वासन दिया कि वह उनके मुद्दों को केंद्र के समक्ष उठाएंगे, जिसके बाद मिल मालिकों ने अपनी हड़ताल समाप्त कर दी। एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, चावल मिल मालिकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने पहले ही भारत सरकार के समक्ष जगह की कमी का मुद्दा उठाया है, जिसके बाद केंद्र सरकार दिसंबर, 2024 तक राज्य में 40 लाख टन और मार्च, 2025 तक 90 लाख टन जगह खाली करने पर सहमत हो गई है। चावल मिल मालिक धान के भंडारण के लिए अधिक स्थान बनाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर थे। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि केंद्र ने राज्य से गेहूं और धान के परिवहन के संबंध में लिखित आश्वासन दिया है कि भारतीय खाद्य निगम ने राज्य में 15 लाख टन गेहूं और धान के लिए पहले ही एक योजना प्रस्तुत कर दी है। मान ने कहा कि राज्य सरकार के स्वामित्व वाले और किराए के गोदामों में 48 लाख टन गेहूं का भंडारण किया गया है। एक अन्य मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मिल मालिकों के पास 5,000 टन से अधिक धान भंडारण क्षमता है, उन्हें खरीद लागत के पांच प्रतिशत के बराबर बैंक गारंटी देनी होगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि अब से मिल मालिकों से बैंक गारंटी लेने के बजाय मिल के भूमि रिकॉर्ड के आधार पर विभाग के पक्ष में ग्रहणाधिकार लिया जाएगा।

प्रियंका गांधी ने आईएमपीसीएल के निजीकरण योजना को लेकर सरकार की आलोचना की

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने इंडियन मेडिसिंस फार्मास्यूटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल) के निजीकरण की कथित योजनाओं को लेकर रविवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि इसका मकसद चुनिंदा मित्रों की तिजोरियां भरने के अलावा और क्या हो सकता है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा की ये टिप्पणी इन खबरों के बीच आयी है कि सरकार की दवा कंपनी के विनिवेश योजना है जिससे कई स्थानीय निवासियों के बीच चिंता पैदा हो गयी है जिनकी आजीविका इससे प्रभावित हो सकती है।

प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुनाफे में चल रही मिनी रत्न दवा कंपनी को बेचने के पीछे सरकार की मंशा क्या है? उन्होंने पोस्ट में लिखा, अल्मोड़ा, उत्तराखंड के मोहान में स्थित इंडियन मेडिसिंस फार्मास्यूटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल) को 1978 में केंद्र और राज्य सरकारों ने मिलकर स्थापित किया था। यह आयुर्वेद और यूनानी दवाओं का प्रमुख कारखाना है जो देश भर में और विदेशों में भी दवाओं की आपूर्ति करता है। उन्होंने कहा, पिछले साल इसे 18 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ और 6 करोड़ का लाभांश सरकार को देने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि इस इकाई में 500 से ज्यादा कर्मचारी हैं और हजारों छोटे किसान अपनी छोटी-छोटी उपज और कच्चे माल की आपूर्ति करते हैं। उन्होंने कहा, मुनाफे में चल रहे दवा कारखाने को बेचने की योजना, आयुर्वेद और आयुष को बढ़ावा देने के पाखंड की सच्चाई को उजागर कर रही है।

नरसिंहानंद की आपत्तिजनक टिप्पणी पर मचा बवाल

मायावती ने की सख्त कार्रवाई की मांग

संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर गाजियाबाद जिले के डासना स्थित मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को संविधान में प्रदत्त धर्मनिरपेक्षता की गारंटी का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में डासना देवी मंदिर के महंत ने इस्लाम के खिलाफ फिर नफरती बयानबाजी की जिससे उस पूरे इलाके में तथा देश के कई हिस्सों में अशांति एवं तनाव की स्थिति पैदा हो गई है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ तो कार्रवाई की लेकिन मूल दोषी भयमुक्त है। उन्होंने कहा, भारतीय संविधान धर्मनिरपेक्षता यानी सभी धर्मों के समान आदर-सम्मान की गारंटी सुनिश्चित करता है। अतः केंद्र एवं राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करें ताकि देश में शांति रहे तथा विकास बाधित न हो। यति नरसिंहानंद पर पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद एक मामला दर्ज किया गया है। उनकी टिप्पणी के खिलाफ गाजियाबाद समेत उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों और अन्य राज्यों में भी प्रदर्शन हुए। नरसिंहानंद के भड़काऊ बयान का वीडियो वायरल होने के बाद डासना देवी मंदिर के बाहर बड़ी संख्या में लोगों ने एकत्र होकर उनके खिलाफ प्रदर्शन किया, जिसके बाद मंदिर परिसर के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई। नरसिंहानंद के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। इनमें दिसंबर 2021 में हरिद्वार में एक सम्मेलन के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने का मामला भी शामिल है। डासना मंदिर के बाहर शुक्रवार को हुए विरोध प्रदर्शन को लेकर वेव सिटी थाने में डासना पुलिस चौकी प्रभारी भानु की शिकायत पर 150 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, शनिवार को महाराष्ट्र के अमरावती शहर में महंत के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। नरसिंहानंद की टिप्पणी के खिलाफ शुक्रवार को नागपुरी गेट थाने के बाहर हिंसक प्रदर्शन हुआ था, जिसमें भीड़ द्वारा पथराव के दौरान 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे और 10 पुलिस वैन क्षतिग्रस्त हो गई थीं। पुलिस ने बताया कि यति नरसिंहानंद के खिलाफ नागपुरी गेट थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 299 (किसी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य), 302 (किसी अन्य व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए जानबूझकर शब्द बोलना), 197 (राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाली कार्रवाई) और अन्य के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

सम्पादकीय

हरियाणा में बदलाव का चुनाव

शनिवार 5 अक्तूबर को हरियाणा में मतदान के साथ ही इस दौर का चुनाव सम्पन्न हो जाएगा। जम्मू-कश्मीर में मतदान हो चुका है, जो ऐतिहासिक और शांत रहा। अब दोनों का ही जनादेश 8 अक्तूबर को सार्वजनिक किया जाएगा। ये जनादेश प्रधानमंत्री मोदी की सत्ता की निरंतरता और भाजपा के वर्चस्व के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। दीपावली के बाद महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं। जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल के जरिए केंद्र सरकार का ही शासन है। अब यह संघशासित क्षेत्र है, जहां 2014 के बाद अब चुनाव कराए गए हैं। हरियाणा में 2014 से ही भाजपा की सत्ता है। इन 10 सालों में राजनीतिक और चुनावी समीकरण बिल्कुल बदल गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्वास करते हुए जाट, दलित, ओबीसी समुदायों ने 2014 और 2019 के चुनावों में भाजपा के पक्ष में जो समर्थन और वोट दिए थे, अब 2024 के लोकसभा चुनाव तक बिल्कुल पलट गए हैं। ये समर्थन और मतदान करीब आधे रह गए हैं। हरियाणा में जाट सर्वाधिक 25 फीसदी से अधिक हैं, जबकि दलित आबादी 21 फीसदी है। ये सबसे ताकतवर समुदाय हैं, जो हरियाणा के जनादेश की दशा और दिशा तय कर सकते हैं। इनके अलावा, कोई अन्य समुदाय इतना एकजुट नहीं है। हरियाणा में इन 10 सालों में कोई जाट मुख्यमंत्री नहीं रहा, यह आश्चर्यजनक तथ्य है। हालांकि 2019 में भाजपा ने जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के गठबंधन में सरकार बनाई थी, लिहाजा जेजेपी के नेता दुष्यंत चौटाला को उपमुख्यमंत्री बनाया गया था, लेकिन वह जाटों के प्रतीकात्मक प्रतिनिधि ही थे। इस बार जाट अपना मुख्यमंत्री बनाने के मूड में हैं। भाजपा के मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ओबीसी नेता हैं, लिहाजा अधिकतर जाट समुदाय भाजपा के खिलाफ ही रहेगा। चूंकि किसान, जवान (अग्निवीर) और पहलवान इन चुनावों के बुनियादी मुद्दे रहे हैं और ये तीनों क्षेत्र जाटों के करीब हैं। खेती में तो 70 फीसदी से ज्यादा जाट ही काम करते हैं। इस तरह जो भी चुनावी ध्रुवीकरण होगा, वह भाजपा-विरोधी हो सकता है। इनके अलावा, बेरोजगारी, सत्ता-विरोधी रुझान, जातीय समीकरण और विभाजन, पेंशन आदि ऐसे मुद्दे हैं, जो हरियाणा के चुनाव को निश्चित तौर पर प्रभावित करेंगे। हरियाणा में बेरोजगारी बेहद उत्तेजक और उन्मादी मुद्दा है। प्रदेश में 2 लाख तो सरकारी नौकरियां ही खाली नहीं हैं, लेकिन राजनीतिक दल आश्वासन बांट रहे हैं। चुनाव जीतने के लिए मुफ्तखोरी की योजनाएं भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही खूब घोषित की हैं और टीवी चैनलों पर रात-दिन विज्ञापन भी चलते रहे हैं। शायद हरियाणा का औसत मतदाता इस तथ्य से अनभिज्ञ है कि राज्य पर 2.70 लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है। चुनाव के बाद सरकार किस-किस को मुफ्त में हजारों रुपए बांटेगी? मुफ्तखोरी के लिए पैसा कहां से आएगा? बेशक सरकार के सामाजिक दायित्व भी होते हैं। उसे दबे-कुचले, अपाहिज तबके की मदद करनी होती है। क्या राज्य सरकार कटोरा लेकर भारत सरकार से भीख मांगेगी और मुफ्तखोरी में बांटेगी? यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी सकारात्मक और व्यावहारिक नहीं है। हमें लगता है कि मुफ्तखोरी की घोषणाएं महज चुनावी लालच हैं। चुनाव जीतने के बाद क्या होता है, उसके उदाहरण तेलंगाना, कर्नाटक और हिमाचल की कांग्रेस सरकारें हैं या आम चुनाव के बाद मुस्लिम महिलाएं कांग्रेस के दफ्तरों पर दस्तक देते हुए खटाखट का पैसा मांग रही हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में वायदा किया है कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी देकर उसी पर फसलें खरीदी जाएंगी। दूसरी ओर भाजपा ने एमएसपी पर ही 24 फसलें खरीदने का वायदा किया है। इंनेलो, आम आदमी पार्टी, जेजेपी भी मैदान में हैं, पर बदलाव संभव है।

फिलिस्तीन के एक हिस्से गाजा पट्टी में सक्रिय आतंकी गुट हमास के इजराइल में उत्सव मना रहे बेकसूरों पर हमले के प्रतिशोध में सबक सिखाने के लिए इजराइल द्वारा शुरू जंग जब लेबनान स्थित चरमपंथी गुट हिज्बुल्ला के कमांडरों व गुट को खत्म करने व यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ाई में तब्दील हुई, तो ईरान ने अपने प्यादे के समर्थन में इजराइल पर 181 बैलेस्टिक मिसाइलें दाग कर सीधी जंग का आगाज कर दिया। इसके बाद से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ता दिख रहा है। अभी प्रतिक्रिया स्वरूप इजराइल ने ईरान पर जबावी एक्शन नहीं लिया है, लेकिन वह चुप बैठने वाला देश नहीं है, प्रतिक्रिया जरूर करेगा, पर कब व कैसे इस पर विचार जरूर है। इजराइल अगर ईरान पर हमला करता है और अमेरिका इजराइल के पक्ष में कूदता है तो चीन, रूस के ईरान के पक्ष में आने की आशंका है, ऐसे में विश्व युद्ध छिड़ने की संभावना बढ़ जाएगी। ईरान के सर्वोच्च लीडर खामनेई जैसे इजराइल के खिलाफ मुस्लिम देशों को एकजुट होने का आह्वान किया है, उससे इजराइल के आतंकी गुटों के खिलाफ जंग को इस्लाम बनाम यहूदी जंग में बदलने की कोशिश प्रतीत होती है। पश्चिम एशिया में अस्तित्व के लिए संघर्षरत इजराइल की ईरान से युद्ध की आशंका पर आजकल का यह अंक...

जंग की ओर ईरान-इजराइल की दुश्मनी

पश्चिम एशिया

प्रभात कुमार रॉय

विदेश मामलों के जानकार

अयातुल्ला खामेनेई की तक़रीर स्पष्ट तौर पर इंगित कर रही है कि इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष और अधिक तेजी के साथ आगे बढ़ेगा। अयातुल्ला ने कहा है कि दुनिया के तमाम मुल्कों के मुसलमानों को अपने समस्त मतभेदों को विस्मृत करके अब अमेरिका और इजराइल के विरुद्ध एकजुट हो जाना चाहिए। अपनी तक़रीर में अयातुल्ला ने आगे कहा कि इजराइल एक शैतानी सत्ता है, जिसकी कोई बुनियाद नहीं है। अमेरिका की मदद से ही इजराइल कायम है और वह ज्यादा वक्त तक टिक नहीं पाएगा। इजराइल पर किसी भी वक्त आक्रमण अंजाम देने के समस्त अधिकार उन्होंने ईरान की सेना को सौंप दिए हैं।

ईरान के सर्वोच्च लीडर अयातुल्ला सैयद अली खामनेई ने तेहरान की मस्जिद में शुक्रवार की नमाज के पश्चात तक़रीर करते हुए अमेरिका और इजराइल को ललकारा है। अयातुल्ला खामनेई की तक़रीर स्पष्ट तौर पर इंगित कर रही है कि इजराइल और ईरान के मध्य सैन्य संघर्ष और अधिक तेजी के साथ आगे बढ़ेगा। अयातुल्ला ने कहा है कि दुनिया के तमाम मुल्कों के मुसलमानों को अपने समस्त मतभेदों को विस्मृत करके अब अमेरिका और इजराइल के विरुद्ध एकजुट हो जाना चाहिए। अपनी तक़रीर में अयातुल्ला ने आगे कहा कि इजराइल एक शैतानी सत्ता है, जिसकी कोई बुनियाद नहीं है। अमेरिका की मदद से ही इजराइल कायम है और वह ज्यादा वक्त तक टिक नहीं पाएगा। इजराइल पर किसी भी वक्त आक्रमण अंजाम देने के समस्त अधिकार उन्होंने ईरान की सेना को सौंप दिए हैं। तेहरान की मस्जिद में एकत्र हुए लाखों ईरानियों के समक्ष तक़रीर करते हुए पश्चिमी मीडिया द्वारा फैलाई जा रही इस अफवाह पर भी अयातुल्ला खामनेई ने लगाम लगा दी, जिसके तहत बताया गया था कि वह अपनी सुरक्षा के लिए किसी बंकर में जाकर छुप गए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति को खत लिखा

7 अक्टूबर 2023 को हमास और इजराइल के मध्य संघर्ष प्रारंभ हुआ था। हमास तंजीम द्वारा सीधे हमला करके लगभग 1200 इजराइली नागरिकों का कत्ल कर दिया गया था और तकरीबन 300 इजराइलियों को अगवा कर लिया गया था। हमास के इस आक्रमण का प्रतिशोध लेने के लिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हुकूमत ने हमास के गढ़ ग़ाज़ा में अनेक हमले अंजाम दिए हैं। इजराइली सैन्य हमले में ग़ाज़ा पट्टी में तकरीबन 40 हजार से अधिक लोग मारे गए हैं। ग़ाज़ा में हमले के बारे में ग़ाज़ा में कार्यरत रहे सौ से अधिक अमेरिकन डॉक्टरों ने अमेरिका के राष्ट्रपति को एक खत लिखा है। इस ख़त में लिखा है कि गाजा में अमेरिका के हथियारों से बेगुनाह महिलाओं और बच्चों का निर्मम कत्ल अंजाम दिया जा रहा है। लोकतंत्र और मानवाधिकारों की दुहाई देने वाले अमेरिका के लिए इजराइल की हिमायत करना एक बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण कार्य है। सैन्य संघर्ष प्रारंभ होने के तकरीबन एक साल पश्चात ईरान द्वारा इजराइल की सरजमीं पर एक अक्टूबर 2024 को 181 सुपरसोनिक मिसाइल दाग दी गईं। अयातुल्ला ख़ामेनेई ने इस जंग को एक खतरनाक मोड़ तक पहुंचा दिया है।

ईरान के शिया नेता अयातुल्लाह खामनेई अब हमास बनाम इजराइल जंग को मुसलमान बनाम यहूदी जंग का खतरनाक आयाम प्रदान करने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए मुस्लिम वर्ल्ड के देशों से इजराइल के खिलाफ एकजुट होने की अपील कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2024 को भी ईरान द्वारा इजराइल पर 110 मिसाइलें दागी गई थीं। लेकिन अप्रैल के आक्रमण से पहले सारी दुनिया को ईरान द्वारा बाकायदा चेता दिया गया था कि सीरिया में ईरानी दूतावास पर हुए इजराइली हमले का जवाब देने के लिए ईरान द्वारा हमला अंजाम दिया जाएगा। दागी गईं ईरानी मिसाइलों के प्रतिशोध में इजराइल ने ईरान के विरुद्ध तो कोई सैन्य कदम नहीं उठाया था, लेकिन लेबनान में हिजबुल्ला तंजीम के ठिकानों पर अपने आक्रमणों को तेज कर दिया। ईरान समर्थित हिजबुल्ला तंजीम लेबनान में तकरीबन अपने एक लाख जिहादियों के साथ विद्यमान है। ग़ाज़ा में हमास के विरुद्ध इजराइली आक्रमण शुरू होने के साथ ही साथ हिजबुल्ला ने उत्तरी इजराइल पर हमले अंजाम देना शुरू कर दिया था। हाल ही में इजराइल के लड़ाकू विमानों द्वारा हिजबुल्लाह के कमांडर इन चीफ नसरल्लाह को हलाक़ कर दिया गया। यक्ष प्रश्न है कि एक अक्टूबर को ईरान द्वारा इजराइल पर दागी गईं सुपरसोनिक मिसाइलों का प्रति उत्तर देने के लिए अब इजराइल की हुकूमत क्या कदम उठाएगी। अमेरिका कदापि नहीं चाहता है कि इजराइल और ईरान में कोई सीधा और बड़ा युद्ध प्रारंभ हो जाए और जिसमें इजराइल की हिमायत में अमेरिका को भी उतरना पड़ जाए।

ईरान के शिया नेता अयातुल्लाह खामनेई अब हमास बनाम इजराइल जंग को मुसलमान बनाम यहूदी जंग का खतरनाक आयाम प्रदान करने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए मुस्लिम वर्ल्ड के देशों से इजराइल के खिलाफ एकजुट होने की अपील कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2024 को भी ईरान द्वारा इजराइल पर 110 मिसाइलें दागी गई थीं। लेकिन अप्रैल के आक्रमण से पहले सारी दुनिया को ईरान द्वारा बाकायदा चेता दिया गया था कि सीरिया में ईरानी दूतावास पर हुए इजराइली हमले का जवाब देने के लिए ईरान द्वारा हमला अंजाम दिया जाएगा। दागी गईं ईरानी मिसाइलों के प्रतिशोध में इजराइल ने ईरान के विरुद्ध तो कोई सैन्य कदम नहीं उठाया था, लेकिन लेबनान में हिजबुल्ला तंजीम के ठिकानों पर अपने आक्रमणों को तेज कर दिया। ईरान समर्थित हिजबुल्ला तंजीम लेबनान में तकरीबन अपने एक लाख जिहादियों के साथ विद्यमान है। ग़ाज़ा में हमास के विरुद्ध इजराइली आक्रमण शुरू होने के साथ ही साथ हिजबुल्ला ने उत्तरी इजराइल पर हमले अंजाम देना शुरू कर दिया था। हाल ही में इजराइल के लड़ाकू विमानों द्वारा हिजबुल्ला के कमांडर इन चीफ नसरल्लाह को हलाक़ कर दिया गया। यक्ष प्रश्न है कि एक अक्टूबर को ईरान द्वारा इजराइल पर दागी गईं मिसाइलों का प्रति उत्तर देने के लिए अब इजराइल की हुकूमत क्या कदम उठाएगी। अमेरिका कदापि नहीं चाहता है कि इजराइल और ईरान में कोई सीधा और बड़ा युद्ध प्रारंभ हो जाए और जिसमें इजराइल की हिमायत में अमेरिका को भी उतरना पड़ जाए।

इजराइल की सैन्य शक्ति के पीछे कौन

सभी जानते हैं कि इजराइल वस्तुतः अमेरिका की रणनीतिक सहमति के बिना ईरान के विरुद्ध कोई बड़ा सैन्य कदम नहीं उठा सकता। रूस-यूक्रेन युद्ध में संलग्न अमेरिका नहीं चाहता कि मध्य पूर्व में उसके लिए कोई नया सैन्य मोर्चा खुल जाए।

जंग की चपेट में आएंगे मध्य पूर्व के देश

मध्य पूर्व में अनेक अरब देश हैं, जिसमें सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, ओमान, कुवैत, कतर आदि हैं, जोकि अमेरिका के निकट सहयोगी देश रहे हैं। इन देशों के शासक भले ही अमेरिका के साथ रहे हैं, लेकिन इन देशों का जनमानस इजराइल के विरुद्ध फिलिस्तीनियों के पक्ष में खड़ा है। अमेरिकन कूटनीतिज्ञ बखूबी जानते हैं कि इजराइल और ईरान के बीच बड़ी जंग अंजाम दी गई तो फिर ये जंग पूरे मध्य पूर्व के देशों को अपनी चपेट में ले सकती है और फिर उसके सहयोगी अरब राष्ट्रों में शासक अमीर शेखों का तख्ता पलट भी संभव हो सकता है।

विश्वयुद्ध की ओर सरकता मध्य-पूर्व

इजराइल-ईरान

रहीस सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

इजराइल सीधे ईरान द्वारा 181 बैलेस्टिक मिसाइलें दागनने के बाद 4 अक्टूबर को जब ईरान के धार्मिक नेता अयातुल्लाह अली खामनेई करीब चार वर्ष बाद जब सार्वजनिक मंच पर आए तो उन्होंने इस्लामी देशों को संदेश देने के उद्देश्य से दो बातें कहीं, पहली यह कि ईरान के दुश्मन वही हैं जो फलस्तीनी प्रशासन और लेबनान समेत दूसरे मुस्लिम देशों के भी दुश्मन हैं। यानि अब वे शिया और सुन्नी के बीच स्पष्ट हो चुकी विभाजक रेखा को मिटाना चाहते हैं। हालांकि विभाजक रेखा अब खाईं का रूप ले चुकी है इसलिए इसे पाट पाना नामुमकिन सा है। उन्होंने जो दूसरी बात कही वह यह कि हमारे सशस्त्र बलों ने जो किया वह 'डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स' की नीति रखने वाले जायनिस्ट शासन के चौंका देने वाले अपराधों के लिए कम से कम सजा थी। इस तरह से उन्होंने इजराइल के खिलाफ अपनी प्रतिक्रिया को वैध और उचित ठहराया। उधर हिजबुल्ला ने इजराइल के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखने की प्रतिज्ञा लेते हुए स्पष्ट किया है कि गज़ा, फिलिस्तीन और लेबनान तथा उसके लोगों की रक्षा के लिए वो लगातार समर्थन करता रहेगा। जबकि इजराइली डिफ़ेंस फ़ोर्सेस (आईडीएफ़) की तरफ से कहा गया है कि ''हमारी जंग लेबनान के लोगों से नहीं बल्कि हिज़्बुल्लाह से है।' इससे यह नहीं दिखता कि अभी भी प्रॉक्सी युद्ध की संभावनाएं अधिक हैं क्योंकि ईरान और इजराइल सधा हुआ युद्ध लड़ना चाहते हैं अथवा वे युद्ध के साथ बचने के रास्ते भी तलाश रहे हैं? तब क्या इस निष्कर्ष पर पहुंचना थोड़ी जल्दबाजी होगी कि मध्य-पूर्व का टकराव तीसरे विश्वयुद्ध में बदल सकता है? पिछले दिनों इजराइली प्रधानमंत्री ने यूएन जनरल असेंबली में कहा था कि लक्ष्य पूरा होने तक हमले जारी रहेंगे। दूसरी तरफ ईरान के विषय में अभी यह पूरी तरह से तय नहीं है कि वह सीधे लड़ेगा अथवा प्रॉक्सी युद्ध को ताकत देगा। हालांकि उसका सीधे लड़ना मुश्किल होगा क्योंकि सैन्य इनवेजन के जरिए वह लड़ नहीं सकता और हवाई युद्ध में वह इस्राइल के सामने टिक नहीं पाएगा। ऐसी स्थिति में अभी किन्हीं परिणामों तक पहुंचना जल्दबाजी होगी। दूसरी तरफ इजराइल को लें, तो सवाल यह उठता है कि उसका असली दुश्मन कौन है? असली दुश्मन हिजबुल्ला और हमास नहीं हैं बल्कि ईरान है। जैसा कि कभी इजराइली प्रधानमंत्री बेनेट कह चुके हैं कि तेहरान ऑक्टोपस का सिर है, तो लेबनान में हिजबुल्ला, गाजा में हमास और यमन में हूती उसके हाथ हैं। तो ऐसा तो नहीं है कि ईरान के प्रॉक्सी से निरंतर युद्ध करके इजराइल खुद को थका डालने का रिस्क ले रहा है? वैसे इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में सैन्य इनवेजन शुरू कर दिया है, यह संभवतः उसे हित में नहीं होगा। ठीक वैसे ही जैसे कि वियतनाम युद्ध अमेरिका के हित में नहीं रहा था। हालांकि इजराइल एयर स्ट्राइक्स को हिजबुल्ला के रॉकेट और मिलिट्री स्टैब्लिशमेंट को ध्वस्त करना जरूरी मानता है, जो है भी क्योंकि हिजबुल्ला लेबनानी नागरिकों को 'ह्यूमन शील्ड' की तरह इस्तेमाल कर रहा है। वह अपने मिसाइल और रॉकेट्स को इनके यहां छुपा कर अटैक करता है। लेकिन ईरान इसे इजराइल द्वारा किया गया 'मास मर्डर' मानता है जिसका बदला लेने के लिए वह प्रतिबद्ध है। वह इजराइल को कई

बार चेतावनी दे चुका है कि वह रेड लाइन क्रॉस कर चुका है। अब देखना यह है कि वह इजराइल के खिलाफ 'ऑल आउट वार' का चुनाव करता है या फिर प्रॉक्सी वॉर के जरिए ही आगे बढ़ेगा? यह सवाल बार-बार आता है कि युद्ध के नतीजे किसके पक्ष में जाएंगे? प्रथमदृष्टया तो इजराइल उत्तर आता है। पिछले नतीजे देखें तो इजराइल ने डिफेंस स्ट्रैटेजी, रियल टाइम इंटेलिजेंस और रियल टाइम टारगेट, रणनीति के जरिए हमास और हिज्बुल्ला पर बड़ी विजय प्राप्त करने में सफलता पायी है। ध्यान रहे कि 1992 से 2006 के बीच नसरल्ला और हिजबुल्ला की प्रगति को देखते हुए इजराइल ने यह समझ लिया था कि हिज्बुल्ला को खत्म करना आसान नहीं है। इसलिए उसने हिज्बुल्ला को कमजोर करने के लिए उसके कमांडरों को मारने की रणनीति अपनाई। यह एक लंबी रणनीति थी जिसे आप 'मोइंग द ग्रास स्ट्रैटेजी' नाम दे सकते हैं। इजराइल सतत रूप से इस पर कार्य करता रहा जिसमें रियल टाइम इंटेलिजेंस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसका सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण पेजर बम है, जिसमें लगभग 3000 के आसपास हिजबुल्ला लड़ाके घायल हुए। इसी की वजह से इजराइल 'रियल टाइम टारगेट' रणनीति में सफल हुआ और 27 सितम्बर को बेरूत में बम गिराकर नसरल्ला को मारने में सफल रहा। दरअसल वर्ष 2006 में जब इजराइल-हिज्बुल्ला संघर्ष 34 दिन में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता कारण समाप्त हो गया। यद्यपि यह हिज्बुल्ला की जीत नहीं थी लेकिन हसन नसरल्ला एक मिलिट्री स्ट्रैटेजिस्ट के रूप में स्थापित कर ले गया। यहीं से इजराइल ने रणनीति बदली और हिज्बुल्ला के कमांडरों को मारने की रणनीति अपनायी। इसमें प्रमुख भूमिका निभायी सिग्नल इंटेलिजेंस यूनिट 8200 ने जिसने हिज्बुल्ला के मोबाइल फोन और अन्य संचार साधनों को पकड़ने के लिए साइबर टूल्स बनाए।

अब देखना होगा कि ईरान की फॉरवर्ड डिफेंस डॉक्ट्रिन और इजराइल की बेगन डॉक्ट्रिन में कौन सी ज्यादा बेहतर परिणाम लाएगी। 1979 की इस्लामी रिवोल्यूशन के बाद ईरान में स्थापित इस्लामी स्टैब्लिशमेंट ने इजराइल को 'इललेजिटीमेट जाइनिस्ट रेजीम' माना और उसके खिलाफ एक प्रॉक्सी युद्ध आरम्भ करने के लिए हिज्बुल्ला और हमास जैसे लड़का समूहों को स्थापित किया जो उसकी 'फारवर्ड डिफेंस डॉक्ट्रिन' का परिणाम थे। यह डॉक्ट्रिन कहती है कि आप अपनी पॉवर को बॉर्डर्स के बाहर कैसे इस्तेमाल करें, वह भी बिना प्रत्यक्ष युद्ध अथवा टकराव के। इसी दौर में ईरान ने न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू कर मध्य-पूर्व में न्यूक्लियर ताकत बनने की कोशिश की। इजराइल यह अच्छी तरह से जानता था ईरान यदि अपने इस मिशन में सफल हो गया तो वह इजराइल को बहुत नुकसान पहुंचाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि सुन्नी दुनिया के देश भी यह नहीं चाहते थे कि ईरान एक न्यूक्लियर पॉवर बने। इसलिए इजराइल ने 'बेगन डॉक्ट्रिन' की शुरूआत की जिसका उद्देश्य था अपने आसपास के देशों में 'मॉस डिस्ट्रक्शन' यानि न्यूक्लियर हथियारों के निर्माण सम्बंधी गतिविधियों को रोकना। इस दृष्टि से ईरान और इजराइल दोनों ही अपने मकसद में कामयाब रहे। इसके बावजूद, इजराइल एक तरफ हिजबुल्ला, दूसरी तरफ हमास, और तीसरी तरफ हूती और ईरान से घिरा हुआ है। पहली तीनों शक्तियां इजराइल को लगातार टक्कर दे रही हैं। यह कुछ तालिबानियों जैसा ही है जिनके गुरु ने कभी कहा था कि हम अमेरिका को हरा नहीं सकते लेकिन थका सकते हैं। कमोमेश तालिबान जैसा स्ट्रक्चर हिजबुल्ला का भी है। यह बिखरा हुआ है लेकिन इसकी अपनी मिलिट्री स्ट्रेंथ है जो इजराइल से लम्बे समय तक लड़ सकती है। हम कह सकते हैं कि यह दुनिया का सबसे बड़ा नान स्टेट एक्टर है। इजराइल के लिए भी यह लड़ाई आसान नहीं होगी। अमेरिका कूदता है तो फिर संभव है कि लड़ाई विश्व युद्ध में बदल जाए।

अस्तित्व की जंग लड़ रहा इजराइल

विश्लेषण

सुनील अमर

वरिष्ठ पत्रकार

लगभग एक साल पूर्व फिलिस्तीनी संगठन तथा गाजा पट्टी के शासक दल हमास द्वारा इजराइल पर किए गए जिस हमले को अंग्रेजी में 'कॉन्फ्लिक्ट' यानी झड़प बताया गया था आज वह एक ऐसे युद्ध की शक्ल ले चुका है जिसमें इजराइल अब कम से कम सात मोर्चों पर एक साथ लड़ रहा है। इस लड़ाई ने ऐसा राजनीतिक रुख अख्तियार कर लिया है जिसमें मध्यपूर्व और एशिया के कई देश यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि वे किसकी तरफ रहें! यह लड़ाई नई नहीं है और ये दोनों देश अपने जन्म यानी सन् 1947 से ही लड़ रहे हैं।

मुस्लिम देशों से घिरा है इजराइल

यह जानना दिलचस्प होगा कि युद्ध की हालत में भी अपने राजनीतिक और आर्थिक फायदों को ध्यान में रखते हुए तमाम देश किस तरह की भूमिका निभाते हैं। सीमाओं की बात करें तो इजराइल चारों तरफ से मुस्लिम देशों से घिरा हुआ है। पूर्व में जार्डन, उत्तर में लेबनान, उत्तर पूर्व में सीरिया, दक्षिण पश्चिम में मिस्र और झगड़े की जड़ कहे जाने वाले फिलिस्तीन के दो इलाके- दक्षिण पश्चिम में गाजा पट्टी तथा पूर्व में पश्चिमी तट नाम का क्षेत्र है। इन सभी सीमावर्ती देशों में सैन्य संगठनों के अलावा इस्लामिक मिलिशिया का भी जाल फैला हुआ है। गत वर्ष सात अक्टूबर को जब हमास ने हमला किया तो कारण यह बताया कि इजरायल ने उनके आदमियों को बन्धक बनाया हुआ है, सीमाओं को बन्द करके तमाम तरह की आपूर्ति बाधित कर रखी है, विवादों के निस्तारण को तय अन्तरराष्ट्रीय कानूनों को नहीं मान रहा है तथा गाजा पट्टी निवासियों के तमाम कष्टों का जिम्मेदार है। ध्यान रहे कि फिलिस्तीन गाजा पट्टी और पश्चिमी तट नामक दो हिस्सों में बंटा हुआ है जिसमें गाजा पट्टी में वर्ष 2007 से हमास का शासन है। इजरायल और हमास की अगर तुलना करें तो हमास की स्थिति मच्छर सरीखी है। अपने दुःखों और हालात से आजिज आकर दुनिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए हमास ने इजराइल पर हमला तो कर दिया लेकिन इसकी बहुत बड़ी कीमत उसे चुकानी पड़ी है।

वैश्विक संस्थाएं बनाएं दबाव

इस्लामिक बन्धुत्व के नाम पर जो देश उसकी तरफ से लड़ाई में शामिल हो गए हैं वे भी उसके मौजूदा कष्टों को दूर नहीं कर पाएंगे। इजराइल पर अन्तरराष्ट्रीय संस्थाएं ही दबाव बना सकती है लेकिन इन संस्थाओं में अमेरिका का दबदबा है और अमेरिका खुलकर इजराइल के साथ खड़ा है। गत दिनों उसने इजराइल को लगभग 2000 करोड़ रुपयों की सैन्य सहायता देने की घोषणा की है तथा ब्रिटेन और फ्रांस भी इजराइल के साथ हैं। सऊदी अरब के सुरक्षा सम्बन्धी समझौते इजरायल के साथ हैं, लेकिन मन से वह फिलिस्तीन के साथ है इसलिए कूटनीतिक तौर पर वह बहुत फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। क़तर यद्यपि बहुत छोटा सा देश है लेकिन वहां अमेरिका का बड़ा सैन्य अड्डा है, क़तर का भाईचारा ईरान के साथ है और इसने हमास के मारे गये नेता इस्माइल हेनियाह को अपने यहां शरण भी दे रखी थी। जार्डन की दशा भी कतर जैसी ही है। अमेरिका ने वहां अपना सैन्य अड्डा बना रखा

है जिस पर इसी साल जनवरी में ईरान समर्थित गुटों ने हमला कर तीन अमेरिकियों को मार दिया था। जार्डन भी किसी तरह अपना राजनीतिक तालमेल इजराइल से बनाए हुए है।

हमास की तरफदारी

इजराइल का एक और पड़ोसी मिस्र है जिसने वर्ष 1979 से इजराइल के साथ मशहूर कैम्प डेविड शान्ति समझौते की सन्धि कर रखी है, लेकिन इधर फिलिस्तीन की वजह से सम्बन्ध निम्न स्तर पर आ गये हैं और मिस्र में जनता तथा विपक्ष ने हमास की तरफदारी की आवाज उठा रखी है। सीरिया और इराक एक समय में क्षेत्रीय शक्तियां रही हैं लेकिन वहां स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर भी ईरान समर्थित समूहों ने दर्जनों बार हमला किया हुआ है। इजराइल का एक ताकतवर पड़ोसी तुर्की है लेकिन उससे भी सम्बन्ध ठीक नहीं हैं क्योंकि इसी साल जनवरी में तुर्की पुलिस ने 33 ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया जिन पर इजराइली जासूसी संस्था मोसाद के लिए जासूसी करने का आरोप था। तुर्की ने कहा कि मोसाद के ये जासूस उसके देश में हमास के लोगों की तलाश कर रहे थे। दूसरी तरफ ईरान है। क्षेत्र में अपनी संप्रभुता तथा इस्लामिक बन्धुत्व का झंडा बुलन्द रखने के लिहाज से वह इस लड़ाई में शामिल होना अपना फ़र्ज समझता है। वैसे तो ईरान के साथ रूस, तुर्की, लेबनान, चीन और यमन हैं।

ईरान को इन देशों का सहारा

जहां तक रूस की बात है तो पश्चिमी देशों खासकर अमेरिका के खिलाफ समान सोच रखने के कारण रूस और ईरान में दशकों से अच्छे सम्बन्ध हैं। इस संयोग में राजनीतिक दृष्टिकोण तलाशे जा सकते हैं कि रूसी प्रधानमन्त्री मिखाइल मिशुस्टिन के गत दिनों ईरान दौरे के बाद ही ईरान ने इजराइल पर मिसाइल हमला किया था। लेकिन दूसरी तरफ रूस इजरायल को भी साधे रखना चाहता है। रूस नहीं चाहता कि यूक्रेन से चल रही जंग में इजराइल यूक्रेन की मदद करने लगे। उधर, इजराइल भी रूस में रह रहे अपने यहूदी समुदाय की सुरक्षा के लिए रूस को नाराज नहीं करना चाहता। इजराइल से मौजूदा लड़ाई को लेकर लेबनान भी ईरान के साथ खड़ा है। वैसे भी लेबनान के सम्बन्ध इजरायल से हमेशा ही लड़ाई और तनातनी के रहे हैं। रूस जैसा ही मामला चीन का भी है। वैसे तो चीन के इजराइल के साथ व्यापारिक सम्बन्ध हैं लेकिन अमेरिका की वजह से चीन भी ईरान को अपने पाले में रखना चाहता है। ईरान के साथ यमन भी है जिसके हूती लड़ाकों ने इजराइल पर मिसाइली हमला जारी रखा है। इसी प्रकार वर्ष 1948 से ही इजराइल से अपनी लड़ाई को लेकर सीरिया स्वाभाविक ही ईरान के साथ है। संक्षेप में कहें तो एक ग्रुप है जिसका नाम है-एक्सिस ऑफ रेजिस्टेन्स जिसमें हमास, हिजबुल्लाह, सीरिया की सरकार, यमन के हूती विद्रोही तथा सीरिया और इराक के अन्य लड़ाकू समूह शामिल हैं जो ईरान पोषित हैं व वे इसकी मदद कर रहे हैं।

भारत गुट निरपेक्ष की स्थिति में

भारत सरकार का अब तक का रवैया गुट निरपेक्ष वाला ही रहा है। भारत ने शुरू से ही दो राष्ट्र के सिद्धान्त पर फिलिस्तीन को मान्यता दे रखी है। इजराइल से भारत के सामरिक सम्बन्ध भी हैं तथा बहुत सारे भारतीय इजराइल में रहते भी हैं। ताजा हालात में भारत ने फिलिस्तीन को 70 टन राहत सामग्री और दवा आदि की सहायता भी दी है। इस युद्ध का एक और पहलू व्यवसाय का भी है जिसका लाभ हमेशा की तरह अमेरिका ले रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस पर लगे प्रतिबन्धों के बाद पश्चिम के देश गैस आदि के लिए अमेरिका पर आश्रित हुए हैं तो यूक्रेन व इजराइल को हथियार तथा राहत सामग्री पहुंचाने के नाम पर अमेरिका का धन्धा फल-फूल रहा है। विश्व में कहीं भी लड़ाई हो, अमेरिका उसमें अपना धन्धा तलाश ही लेता है। नासमझ देश तो बस लड़ने में व्यस्त हैं।

पर्वोल्लास
धीरज बसाक

दुनिया भर में विख्यात देश के ये

दशहरा महोत्सव

एक अनुमान के मुताबिक देश में करीब 20 हजार से ज्यादा अलग-अलग दशहरा समारोह आयोजित किए जाते हैं। हालांकि सभी दशहरे आयोजन की अपनी परंपराएं हैं, अपनी विशेषताएं हैं, लेकिन इनमें से पांच दशहरा आयोजन सबसे विशिष्ट माने जाते हैं, जिनकी प्रसिद्धि दुनिया भर में है। इन दशहरा आयोजनों के इतिहास और इनकी विशेषताओं पर एक नजर।

मैसूर का दशहरा

भारतीय राज्य कर्नाटक का दूसरा सबसे बड़ा शहर मैसूर है। यह शहर अपने महलों और अपने प्रसिद्ध विजय दशमी उत्सव के लिए जाना जाता है। मैसूर का दशहरा पूरी दुनिया में मशहूर है। यह दस दिनों तक चलने वाला एक भव्य आयोजन है, जिसकी शुरुआत 400 साल से भी पहले हुई थी। मैसूर का प्राचीन राजमहल अपने दशहरा आयोजन का पर्याय माना जाता है। 1610 में इस पर्व की शुरुआत राजा वाडिया प्रथम ने की थी। यह आज भी करीब-करीब वैसे ही मनाया जाता है, जैसी 1610 में इसकी शुरुआत हुई थी। इस त्योहार में हाथियों का जुलूस निकाला जाता है, जिसे जंबो सावरी कहा जाता है। इस जुलूस में शामिल होने वाले हाथियों की अगुवाई करने वाले हाथी की पीठ पर 750 किलो सोने का अंबारी होता है, जिसमें माता चामुंडेश्वरी की मूर्ति रखी जाती है। दशहरे के मौके पर मैसूर के राजमहल को भव्य तरीके से सजाया जाता है। *

कुल्लू का दशहरा

मैसूर के दशहरे की तरह ही हिमाचल प्रदेश में स्थित कुल्लू का दशहरा भी देश-विदेश में मशहूर है। यह भी एक किस्म का शाही उत्सव है, जो 8 दिनों तक चलता है। कुल्लू के दशहरे को देखने के लिए हर साल हजारों की तादाद में देसी-विदेशी पर्यटक आते हैं। लेकिन बाकी जगहों में जहां दशहरा नवरात्र में शुरू होता है, वहीं कुल्लू का दशहरा विजय दशमी के बाद शुरू होता है और फिर अगले आठ दिनों तक चलता है। यह दशहरा उत्सव परंपरा, हिमाचली रीति-रिवाज और इतिहास पर रोशनी डालने के साथ संपन्न होता है। कुल्लू का दशहरा उगते चांद (शुक्ल पक्ष) के दसवें दिन से शुरू होता है। इस उत्सव में रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतलों का दहन नहीं किया जाता बल्कि इस उत्सव में भगवान रघुनाथजी की रथयात्रा निकाली जाती है, जिसमें हिस्सा लेने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। इस उत्सव में देवी-देवताओं की मूर्तियों को बेहद आकर्षक पालकियों में सजाकर उनका जुलूस निकाला जाता है। कुल्लू दशहरा के इस आयोजन में राजघराने के सभी सदस्य देवी-देवताओं का आशीर्वाद लेने के लिए आते हैं। माना जाता है कुल्लू दशहरे की शुरुआत, यहां के राजा जगत सिंह ने की थी। उन्हें कुष्ठ रोग था, जिससे छुटकारा पाने के लिए उन्हें एक साधु ने रघुनाथजी की प्रतिमा स्थापित करने की सलाह दी थी। *

बनारस का दशहरा

देश के मशहूर दशहरा आयोजनों में वाराणसी से सटे उपनगर रामनगर में आयोजित दशहरे का भी शुमार होता है। इसे देखने के लिए भी दशहरा के अवसर पर देश-विदेश से हजारों लोग आते हैं। हालांकि दिल्ली की तरह ही वाराणसी में जगह-जगह रामलीलाओं का आयोजन होता है और पूरे दस दिन रातभर शहर में रामलीलाओं की धूम मची रहती है। लेकिन वाराणसी से सटे रामनगर में आयोजित होने वाला पिछले 200 सालों से यह दशहरा आयोजन अपने आपमें अनोखा है। इस दशहरे को देखने के लिए देश के हर कोने से रामकथा पर आस्था रखने वाले लोग आते हैं। रामनगर के दशहरे का खास महत्व यह है कि यहां एक महीने तक रामकथाओं के मंचन के बाद दशहरा आयोजन आता है और इसका समापन दशमी को नहीं बल्कि पूर्णमासी के दिन होता है। यहां होने वाली रामलीलाएं किसी स्टेज पर नहीं होतीं बल्कि दूर तक फैले गंगा के घाटों में होती हैं। हां, यहां रामलीला में हर एक सीन के लिए अलग स्थान को चुना जाता है यानी पूरे एक महीने तक रामलीलाओं का मंचन स्थान बदलता रहता है। *

बस्तर का दशहरा

बस्तर में दशहरे का आयोजन भी अपनी तरह का एक विशिष्ट आयोजन है। यहां दशहरा एक, दो, तीन दिनों तक नहीं बल्कि 75 दिनों तक आयोजित होता है और साल 2023 में तो इसका आयोजन 107 दिनों तक हुआ था। बस्तर दशहरे की शुरुआत पाठजात्रा रस्म के साथ होती है और फिर एक-एक करके इसमें चौदह प्रमुख रस्में अदा की जाती हैं। बस्तर के दशहरे के आयोजन के दिनों की संख्या हर साल बदलती रहती है, क्योंकि यह संख्या ग्रह-नक्षत्रों के आधार पर तय होती है। लेकिन यह बदलाव आमतौर पर दो या इससे कम दिनों का होता है। लेकिन 2023 में कुछ खास कारणों से यह बदलाव 25 दिनों का हुआ, इस साल यह 77 दिनों तक आयोजित होगा। बस्तर दशहरे की प्रमुख रस्मों में पाठजात्रा, डेरी गढ़ई, काछनगादी, जोगी बिठाई, फूल रथयात्रा, बेल पूजा, निशाजात्रा, जोगी उठाई, मावली परघाव, भीतर रैनी, बाहर रैनी, मुरिया दरबार, कुटुंबजात्रा और होली विदाई के साथ दशहरा खत्म होता है। *

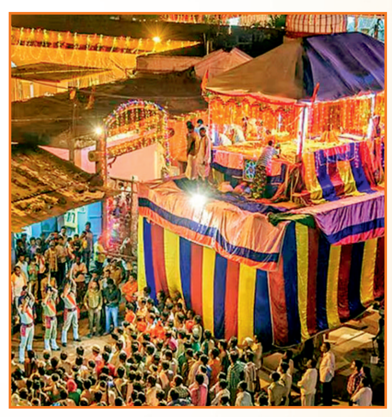

दिल्ली का दशहरा

देश की राजधानी दिल्ली अपने तरह-तरह के दशहरा आयोजनों के लिए भी प्रसिद्ध है। दिल्ली में कोई एक दो जगहों पर नहीं बल्कि नौ जगहों पर दशहरे का भव्य आयोजन किया जाता है। दिल्ली के इन नौ प्रसिद्ध दशहरों में शामिल हैं- रामलीला मैदान, सुभाष मैदान, लालकिला मैदान, डीडीए ग्राउंड एनएसपी प्रीतमपुरा दशहरा, धार्मिक लीला समिति लालकिला लॉन, श्रीराम भारतीय कला केंद्र, द्वारका सेक्टर-10 का दशहरा, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम का दशहरा और केशवपुरम रामलीला मैदान का दशहरा। अगर कहा जाए कि दिल्ली विख्यात दशहरा आयोजनों से पटी पड़ी है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। सच्चाई तो यह है कि देश की राजधानी दिल्ली में होने वाले ये सभी दशहरा आयोजन अलग सांस्कृतिक महत्व भी रखते हैं। *

सांस्कृतिक परंपरा / डॉ. अनिता राठौर

यहां पर होती है आयोजित देश की सबसे पुरानी रामलीला

क्या आप जानते हैं, देश में सबसे पुरानी और सबसे पहली रामलीला कहां और कब आयोजित की गई थी? यह उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के ऐशबाग में आयोजित होने वाली रामलीला है। कैसे हुई इसकी शुरुआत, क्या है इसकी विशेषताएं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

नवरात्र शुरू होते ही और कई स्थानों पर तो उससे भी काफी पहले से रामलीलाओं का आयोजन देश भर में आरंभ हो जाता है। क्या आप जानते हैं, रामलीलाओं के आयोजन का यह सिलसिला कई सदी पुराना है? सबसे पहली बार रामलीला का मंचन वर्तमान लखनऊ में किया गया था।

ऐशबाग में रामलीला मंचन के विभिन्न दृश्य

तुलसीदास ने की शुरुआतः लखनऊ के ऐशबाग में आयोजित होने वाली रामलीला का मंचन 500 सालों से भी ज्यादा पुराना है। इसके साथ जुड़ी सबसे खास बात यह है कि इसे खुद गोस्वामी तुलसीदास जी ने शुरू करवाया था। 16वीं शताब्दी में जब तुलसीदास जी ने अपना ग्रंथ 'रामचरितमानस' पूरा किया और इसे जन-जन तक पहुंचाने के बारे में सोचा करते थे, उन्हीं दिनों एक बार उन्होंने चौमासा (बरसात के चार महीने) का प्रवास लखनऊ के मौजूदा ऐशबाग इलाके में किया और बारिश के दिनों में हर रोज वह अपनी लिखी हुई रामकथा (रामचरितमानस) को लोगों को सुनाया करते थे। इसी क्रम में उन्हें एक दिन यह ख्याल आया कि क्यों ना जैसे वह कथा सुना रहे हैं, ऐसे ही उसका मंचन किया जाए, जिससे लोगों को आसानी से रामकथा समझ में आ जाए। इस विचार को उन्होंने अपने सायंकालीन कथा श्रोताओं से भी साझा किया। उन्हें भी यह विचार पसंद आया। लेकिन सवाल यह था कि जैसे बाबा तुलसीदास ने मानस लिखी थी, उसका वैसे ही मंचन कौन करे? वास्तव में आम लोगों के बीच तब यह कथा इतनी लोकप्रिय नहीं थी कि आम लोग इसको पूरी तरह से आत्मसात करते हुए, मंचन संभव कर सकें। यह साधु-संतों के जरिए ही संभव था, क्योंकि साधु-संत इस कथा से अच्छी तरह से परिचित थे। तुलसीदास बाबा ने इस संबंध में साधु-संतों से चर्चा की तो वे भी खुशी-खुशी इसके लिए तैयार हो गए। इस तरह 16वीं शताब्दी में पहली बार रामलीला के मंचन की शुरुआत अयोध्या के खांटी साधु-संतों के जरिए हुई। यह मंचन बहुत पसंद किया गया और इसे जबर्दस्त जनसमर्थन मिला। लोग रामकथा को अपनी आंखों के सामने स्टेज पर मंचित होते हुए देखकर अभिभूत हो गए। इस तरह देश में रामलीलाओं के मंचन का महान सांस्कृतिक अभियान आरंभ हो गया, जो आज भी अनवरत जारी है।

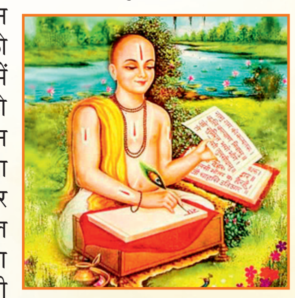

गंगा-जमुनी तहजीब की मिसालः रामलीला की शुरुआत का वह दौर था, जब लखनऊ में गंगा-जमुनी तहजीब का खूब बोलबाला था। हिंदू और मुसलमान बिना किसी धार्मिक भेदभाव के एक-दूसरे के साथ घुल-मिलकर रहते थे। अवध के नवाब अली शाह, जिनके उत्तराधिकारी वाजिद अली शाह थे, ने तो शाही खजाने से इस रामलीला के मंचन के लिए मदद भी भेजी थी। इस तरह रामचरितमानस के रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी की देख-रेख बल्कि कहना चाहिए उनके ही निर्देशन में रामलीला का मंचन शुरू हुआ। उसके बाद के वर्षों में इस रामलीला को साधु समाज ने अपने शिखर पर पहुंचाया।

दो वर्ष नहीं हुआ मंचनः वर्ष 1857 में जैसे ही इस देश में अंग्रेजों के विरुद्ध आजादी का आंदोलन शुरू हुआ तो माहौल पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया, जिस कारण 1857 से 1859 तक ऐशबाग की यह ऐतिहासिक रामलीला बंद रही। जब 1860 में यह दोबारा से शुरू हुई तो इसका आधुनिक स्वरूप अस्तित्व में आया। इसके लिए ऐशबाग रामलीला कमेटी का गठन हुआ, जो तब से अब तक वैसे ही चली आ रही है। माना जाता है कि लखनऊ के ऐशबाग में रामलीला के मंचन के बाद ही तुलसी बाबा ने रामलीलाओं के मंचन का यह प्रयोग चित्रकूट और बनारस में किया।

मंचन में हुए कई बदलावः हालांकि 16वीं शताब्दी में जब रामलीला की शुरुआत हुई थी, तब से आज तक इसके मंचन में अनगिनत बदलाव हो चुके हैं, फिर भी रामलीलाओं की मूल संकल्पना वही है, जो 500 साल पहले गोस्वामी तुलसीदास जी ने तय किया था। इन रामलीलाओं में राम की कथा का सिलसिलेवार ढंग से मंचन किया जाता है। जाहिर है, हर दौर में अभिव्यक्ति का तरीका बदल जाता है। क्योंकि पिछले 500 सालों में हमारी अभिव्यक्ति का तरीका बेहद उन्नत और आधुनिकता से भरपूर हो गया है, इसलिए 500 साल पहले की रामलीलाओं और आज की रामलीला में जमीन आसमान का फर्क है। आज पूरे देश में सबसे हाईटेक रामलीला भी यही ऐशबाग की रामलीला है।

ऐशबाग की रामलीला इतनी प्रसिद्ध है कि हर साल इसे देखने के लिए देश के कोने-कोने से ही नहीं बल्कि दुनिया के कोने-कोने से बड़ी संख्या में लोग आते हैं। इसका डिजिटल प्रसारण भी होता है। इस रामलीला में देश के जाने-माने अभिनेता भी शामिल होते हैं। *

स्पेशलः हैप्पी बर्थ-डे बिग-बी
11 अक्टूबर

आधी सदी से अधिक की अपनी अभिनय यात्रा में अमिताभ बच्चन ने बेमिसाल उपलब्धियां हासिल की हैं। इमोशनल डॉक्टर, एंग्री यंग मैन, झक्की बूढ़े, बीमार बच्चे, जुनूनी टीचर से लेकर माइथो कैरेक्टर तक उन्होंने सैंकड़ों फिल्मों में अपने टैलेंट का जादू बिखेरा है। कमाल की बात है, आज भी उनके एक्टिंग टैलेंट में हर बार एक नया निखार देखने को मिलता है। उनकी अब तक की एक्टिंग जर्नी पर एक नजर।

अभिनय के चमत्कार अमिताभ बच्चन

एक्टिंग जर्नी
डी.जे. नंदन

इन दिनों ब्लाक बस्टर फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन के अभिनय की हर तरफ जमकर तारीफ हो रही है। सचमुच, अमिताभ बच्चन महज अभिनेता नहीं, अभिनय के महाविद्यालय हैं। विशेषकर उम्र के इस तीसरे पड़ाव में जब ज्यादातर अभिनेता रिटायर होकर घर बैठ जाते हैं, उस उम्र में अमिताभ नई उम्र के कलाकारों के साथ अभिनय की नई-नई उंचाइयां छू रहे हैं, एक्टिंग की ऐसी चकाचौंध बिखेर रहे हैं कि जिसे देख हर कोई हतप्रभ है।

शुरुआत में ही दिख गई थी प्रतिभाः अपने करियर के शुरुआती वर्ष 1971 में आई फिल्म 'आनंद' और 1973 में आई फिल्म 'जंजीर' में ही अमिताभ ने साबित कर दिया था कि वह अभिनय के ज्वालामुखी हैं, जरा भी अनुकूल मौका मिलने पर अपनी प्रतिभा दिखा देंगे। लेकिन 'जंजीर' का विजय खन्ना और 'आनंद' के डॉ. भास्कर बनर्जी अपने अभिनय की प्रतिभा का जलवा बिखेर पाते, इसके पहले ही उन्हें उस समय की इंडस्ट्री के फार्मूला फिल्मकारों ने हाइजैक कर लिया और एक दशक से ज्यादा समय तक उनकी सारी अभिनय प्रतिभा को एक्शन वाली फिल्मों में निचोड़ते रहे। हालांकि उस दौरान भी 'शोले', 'अमर-अकबर-एंथोनी', 'चुपके-चुपके', 'शक्ति', 'सिलसिला' और 'अग्निपथ' जैसी फिल्मों में रह-रहकर उनकी अभिनय प्रतिभा दिख ही जाती थी।

फिल्म 'आनंद' में राजेश खन्ना के साथ अमिताभ

इन फिल्मों में दिखाया लाजवाब टैलेंटः अपनी उम्र के इस पड़ाव में लगता है जैसे अभिनय के इस शहंशाह ने खुद को एक्टिंग की भट्टी में झोंक दिया है। चाहे जितना जटिल और चाहे जितना अटपटा किरदार रहा हो, अमिताभ उसे यादगार बनाने में सक्षम हैं। वह उसमें जान फूंक देने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। आर. बाल्की की फिल्म 'पा' में तो उन्होंने अपने अभिनय से ही नहीं, बल्कि मेकअप कैरी करने के मामले में भी इतिहास रच दिया। विद्या बालन और अभिषेक बच्चन के साथ उन्होंने फिल्म में एक ऐसे बच्चे का रोल निभाया, जिसकी बायोलोजिकल उम्र तो बारह साल ही थी लेकिन प्रोजोरिया बीमारी से ग्रस्त होने कारण उसका शरीर सत्तर साल के आदमी के बराबर था। अमिताभ ने इस किरदार को निभाने में अपनी कला का नायाब नमूना पेश किया। दीपिका पादुकोण और इरफान के साथ 'पीकू' में भी उन्होंने एक ऐसे कब्ज ग्रस्त बंगाली बूढ़े का खूबसूरत अभिनय किया है, जिसे देखकर कई समीक्षक कह चुके हैं कि कोई बंगाली कलाकार भी किसी बंगाली का इतना जीवंत अभिनय नहीं कर पाता। अपने जादुई अभिनय का यही सफर अमिताभ ने पिछले दिनों आई फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में भी जारी रखा है। अपनी दमदार आवाज और कद-काठी की बदौलत बिग बी ने इस फिल्म में अश्वत्थामा के किरदार में जान डाल दी।

फिल्म 'कल्कि' में दमदार भूमिका में दिखे बिग बी

तीसरी पारी में बनाई नई पहचानः कई फिल्म क्रिटिक्स मानते हैं कि उन्होंने अभिनय से सराबोर अपनी यह तीसरी और नई पारी 'मोहब्बतें' से शुरू की थी। 'मोहब्बतें' में उन्होंने 10 अभिनेता-अभिनेत्रियों के बीच अपने किरदार में कुछ ऐसी जान डाली कि फिल्म में उनका होना एक मुहावरा एक यूएसपी बन गया। अपनी तीसरी पारी में अमिताभ ने सचमुच अपनी एक नई पहचान बनाई है। शाहरुख-सलमान की फिल्मों में एक जिंदादिल पिता का किरदार अदा करना हो या फिर 'सरकार' जैसी फिल्म में सीरियस माफिया डॉन का किरदार निभाना हो। चाहे किसी सीरीज में 'गॉडफादर' सदृश किरदार निभाने की बात हो या हल्की-फुल्की कॉमेडी की। अमिताभ बच्चन अब इस सबकी कभी परवाह नहीं करते कि उनकी इमेज में कोई स्टेटमेंट है या इसकी कोई दिशा ही नहीं है। यही वजह है कि पलकें उठाने में भी अपनी ताकत प्रदर्शित करने वाले 'सरकार' के अमिताभ 'पीकू' के एक चिड़चिड़े और स्वार्थी बंगाली झक्की बूढ़े में पूरी तरह घुल-मिल जाते हैं।

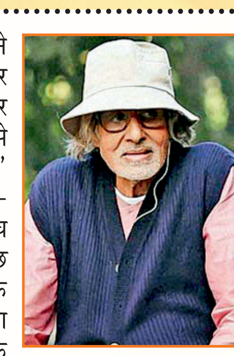

फिल्म 'पीकू' में अमिताभ

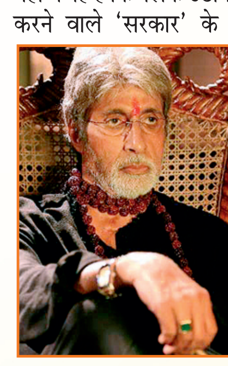

'सरकार' में बिग बी

करते रहें अभिनय से चमत्कृतः अमिताभ वास्तव में अभिनय के ऐसे महाविद्यालय हैं, जहां से नई पीढ़ी के एक्टर्स बहुत कुछ सीख सकते हैं तो अनुभवी एक्टर्स भी यह देख सकते हैं कि अपने कैरेक्टर में कैसे खुद को झोंका जाता है? अमिताभ की मंझी हुई और विविधता से भरी हुई अभिनय प्रतिभा, जो दिन पर दिन अभी निखरती ही जा रही है, उसे देखकर तो लगता है कि हॉलीवुड के कुछ निर्माता-निर्देशकों को भी उनकी तरफ देखना चाहिए और कोई जटिल एशियाई चरित्र जिसे साधना उनको कठिन लग रहा हो तो उन्हें अमिताभ के साथ कुछ फिल्में करनी चाहिए। निश्चित ही बिग बी उस कैरेक्टर में भी नई मिसाल कायम करेंगे।

उनके 83वें जन्म दिन पर हम सबकी दुआ है कि वे स्वस्थ-निरोग रहें और अपनी अभिनय प्रतिभा से अपने चाहने वालों चमत्कृत करते रहें। *

'ब्लैक' में एक्टिंग से किया हतप्रभ

साल 2005 में हेलेन केलर के जीवन से प्रभावित संजय लीला भंसाली की फिल्म 'ब्लैक' में अमिताभ ने अपने अभिनय की धार से सबको सन्न कर दिया। एक नेत्रहीन और जिद्दी लड़की मिशेल के टीचर देबराज सहाय के रूप में अमिताभ का अभिनय किसी चमत्कार से कम नहीं था। वह फिल्म में टीचर कम अभिनय के जादूगर ज्यादा लगते हैं। एक एंग्लो-इंडियन दंपती पॉल और कैथरीन मैकनेली (धृतिमान चटर्जी और शेरनाज पटेल) जब उन्हें अपनी देख, बोल-सुन ना पाने वाली बेटी पढ़ाने के लिए सौंप देते हैं, तो मानों वह उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए अपने समूचे वजूद को ही दांव पर लगा देते हैं।

जनजातियों का ज्ञान और परंपराएं दूसरे समाजों के लिए भी अनुकरणीय : विधायक टेकाम

जनजातियों के गौरवशाली अतीत पर रविशंकर विश्वविद्यालय में हुई कार्यशाला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । जनजातियों के गौरवशाली इतिहास, सामाजिक और आध्यात्मिक योगदान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और जनजातीय महानायकों के बलिदान को आमजनों को बताने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभाग्रह में संपन्न हुई।इस कार्यशाला में पूर्व आईएएस अधिकारी और वर्तमान केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने जनजातियों के ज्ञान और परंपराओं को दूसरे समाजों के लिए भी अनुकरणीय बताया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जनतीय समाज में सहभागिता, प्रकृति प्रेम के साथ आत्म स्वाभिमान से जीने की कला को दूसरे समाज के लोंगो को भी सीखना चाहिए। टेकाम ने इस दौरान जनजातीय समाज को भारत के संविधान को मिली सहूलियतों और संरक्षण के साथ विकास के लिए किए गए प्रावधानों को भी लोंगो को बताया। इस दौरान वीरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती भी मनाई गई और रानी दुर्गावती के अपने गोंडवाना प्रदेश की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए बलिदान हो जाने के वृत्तांत पर भी प्रकाश डाला गया है। कार्यशाला में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के दो सौ से अधिक छात्र-छात्राओं एवं नागरिक शामिल हुए।कार्यशाला में जनजातीय समाज के महानायकों के बलिदान को भी इंगित किया गया। वक्ता वैभव सुरंगे ने भारत में जनजातीय समाज और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर विस्तृत जानकारी दी। भारत के प्रथम शहीद तिलका मांझी, वीर नारायण सिंह,गेंदसिंह, गुण्डाधुर आदि से लेकर विभिन्न क्षेत्रों के जनजातीय समाजों द्वारा ब्रिटिश शासन के विरूद्ध हुए संघर्ष को विस्तार से बताया है। कार्यशाला में पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ला ने जनजातीय समाज की परंपराओं, उनके रीतिरिवाजों और संस्कृति पर अपने नजरिए से रिसर्च किए जाने पर जोर दिया।

6 जिलों में 8 सड़कों के विकास के लिए 892.36 करोड़ स्वीकृत

मुख्यमंत्री साय ने जताया केंद्रीय मंत्री गडकरी का आभार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने छत्तीसगढ़ के बेमेतरा, मुंगेली, राजनांदगांव, जशपुर, बिलासपुर और खैरागढ़ जिलों में 8 राज्य सड़क खंडों के विकास के लिए 892.36 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। यह स्वीकृति वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत सीआरआईएफ योजना के अंतर्गत दी गई है।इस घोषणा के बाद छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर ट्वीट कर केंद्रीय मंत्री और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, छत्तीसगढ़ के लिए यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि राज्य के 6 जिलों में 8 सड़क खंडों के विकास के लिए सीआरआईएफ योजना के तहत 892.36 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह परियोजनाएं प्रदेश के विकास को नई गति देंगी और जनता के लिए आवागमन को सुविधाजनक बनाएंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इन सड़कों के निर्माण से प्रदेश में विकास की रफ्तार तेज होगी और आम जनता को बेहतर यातायात सुविधाएं मिलेंगी।

मंत्री राजवाड़े ने लटोरी में नवीन तहसील कार्यालय का किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।महिला-बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सोमवार को सूरजपुर जिला के लटोरी में नवीन तहसील कार्यालय का शुभारंभ किया। इसके साथ ही क्षेत्र के निवासियों को आज एक बड़ी सौगात नवीन तहसील कार्यालय के रूप में मिली है, जिससे लोगों के समय व पैसे दोनों की बचत होगी। क्षेत्र के ग्राम पंचायत के लोग राजस्व संबंधी मामलों का निपटारा आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर मंत्री राजवाड़े ने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएँ दी।उन्होंने कहा कि लटोरी में तहसील कार्यालय खुल जाने से आम नागरिकों को अब राजस्व संबंधी कामकाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।उन्होंने कहा कि नवीन तहसील कार्यालय के खुलने से क्षेत्र के नागरिकों को इसका भरपूर लाभ मिलेगा।इससे राजस्व संबंधी मामलों के निपटारे में गति आएगी।साथ ही शासकीय योजनाओं के सुचारू रूप से क्रियान्वयन एवं प्रशासकीय कामकाज में कसावट लाने में सुविधा होगी।शासन की योजनाएं एवं मूलभूत सुविधाएं आम नागरिकों को आसानी से उपलब्ध होगी और विकास की रफ्तार भी बढ़ेगी। गौरतलब है कि सूरजपुर जिला के नवीन तहसील कार्यालय का निर्माण लटोरी के नवापारा में 71.12 लाख की लागत से किया गया है। तहसील कार्यालय के निर्माण से आस-पास के 64 ग्रामों के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, संबंधित अधिकारी-कर्मचारी व नागरिक उपस्थित थे।

प्रवर्तकता कार्यक्रम के तहत 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों का होगा चिन्हांकन

चिकित्सा, शिक्षा और पोषण के लिए प्रतिमाह 4 हजार रुपये की वित्तीय सहायता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। एकीकृत बाल संरक्षण योजना, मिशन वात्सल्य महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत प्रवर्तकता कार्यक्रम के तहत 18 वर्ष से कम आयु के देख-रेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को चिकित्सकीय, पोषण, व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु परिवारों को अनुपूरक सहायता के रूप में धन राशि प्रदान किया जाना है, जिससे बच्चे के जीवन स्तर की गुणवत्ता में सुधार हो सके और बालक का सर्वोत्तम हित सुनिश्चित किया जा सके।महिला एवं बाल विकास विभाग से मिली हुई जानकारी के अनुसार किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 यथा संशोधित 2021 का एक प्रमुख मार्गदर्शी सिद्धांत यह है कि किसी बच्चे को अंतिम उपाय के रूप में संस्थागत देखरेख में रखा जावे। परिवार तथा पारिवारिक वातावरण बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सर्वाधिक अनुकूल होता है।अतः बच्चों के पुनर्वास और समाज में एकीकरण के लिए परिवार एवं समुदाय आधारित विकल्प में प्रवर्तकता (स्पॉसरशिप) का प्रावधान रखा गया है।

'नन्हें फरिश्ते' अभियान से अब तक 507 बच्चों की सकुशल घर वापसी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) न सिर्फ रेल यात्रियों और रेल संपत्ति की सुरक्षा में जुटा है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारियों का भी कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रहा है। आरपीएफ द्वारा जरूरतमंद यात्रियों की मदद के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इसी कड़ी में आरपीएफ ने ₹ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते₹ के तहत जनवरी 2023 से सितंबर 2024 तक 507 बच्चों को उनके परिजनों से मिलाने का सफल अभियान चलाया है।इस अभियान में 298 बालक और 209 बालिकाओं को विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों से रेस्क्यू कर, उन्हें गैर-सरकारी संगठनों व उनके अभिभावकों को सौंपा गया।रेलवे सुरक्षा बल का यह प्रयास न केवल उनकी सतर्कता का परिचय देता है, बल्कि उनके सामाजिक कर्तव्यों के प्रति समर्पण को भी दशार्ता है। साथ ही, आरपीएफ द्वारा चौबीस घंटे हेल्पलाइन सेवा और महिला हेल्पलाइन के माध्यम से यात्रियों को त्वरित सहायता दी जाती है।महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्टेशनों और ट्रेनों में महिला आरपीएफ स्टाफ की तैनाती की जा रही है। इसके अलावा, रात्रि में चलने वाली संवेदनशील ट्रेनों की सुरक्षा के लिए विशेष एस्कॉर्ट टीमों और डिकॉय टास्क फोर्स की तैनाती की गई है, जो चोरी, नशाखोरी और अन्य अपराधों पर कड़ी नजर रख रही हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का आरपीएफ स्टाफ पूरी निष्ठा और सेवा भाव के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है, और उनके इन प्रयासों की जनता द्वारा सराहना की जा रही है।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर

मामले की श्रेणीः राजस्व

संदर्भ- जिला- सरगुजा तहसील- अम्बिकापुर प.ह.न.-00021
गंगापुरखुर्द ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- MD 202324390103500013

ईश्तहार

तहसील अम्बिकापुर के प.ह.न. 00021 के अंतर्गत ग्राम गंगापुरखुर्द के वर्तमान भूमिस्वामी कुंवारिया पिता/पति-अमरसाय पता-सा देह के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 299/7(0.0060) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/केता कौशिल्या कुजूर पिता/पति-कुंवरिया पता-सा देह के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 16/10/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं /अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है।प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/10/2024 को जारी किया जाता है।

तहसीलदारः तहसील अम्बिकापुर
तहसील- अम्बिकापुर

पुलिस दुर्गा पंडालों, चौक-चौराहों पर दे रही साइबर क्राइम से बचने की जानकारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। रायपुर पुलिस ने 5 अक्टूबर को 'साइबर जन जागरूकता पखवाड़ा' कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इस अभियान के तहत विभिन्न रास गरबा आयोजन स्थलों, दुर्गा पंडालों, मेलों और चौक-चौराहों पर नागरिकों को साइबर अपराध से बचने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। रायपुर पुलिस की साइबर टीमें विभिन्न स्थानों पर जाकर आम जनता, खासकर छात्रों और राहगीरों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रही हैं। जागरूकता के लिए पाम्पलेट बांटे गए और प्रमुख चौक-चौराहों पर होर्डिंग्स लगाए गए हैं। अब तक 2700 से अधिक छात्र-छात्राओं और आम नागरिकों को साइबर सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर जागरूक किया गया। वहीं देवेन्द्र नगर चौक, आमानाका चौक, जयस्तंभ चौक और गौरव पथ में डिजिटल स्क्रीन पर साइबर अपराध से संबंधित वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं।

साइबर जागरूकता अभियान का विस्तारः

रायपुर पुलिस की साइबर और थानों की टीमें विभिन्न चौक-चौराहों और कार्यालयों में पहुंचकर लोगों को जागरूक कर रही हैं।इनमें प्रमुख स्थानों पर रास गरबा स्थल, मॉल, और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थान शामिल हैं।साइबर अपराध से बचने के लिए जानकारी साझा की जा रही है और साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ टीमों द्वारा नागरिकों के सवालों का उत्तर देकर उनकी शंकाओं का समाधान किया जा रहा है।

रात्रिकालीन जागरूकता अभियानः

रायपुर पुलिस द्वारा रात के समय भी मॉल्स, आयोजन स्थलों और अन्य स्थानों पर साइबर अपराध से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह अभियान 19 अक्टूबर तक जारी रहेगा, जिसका उद्देश्य साइबर अपराध के बढ़ते खतरे से नागरिकों को सुरक्षित और जागरूक बनाना है।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-/अ-20(1)/23-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अखिलेश सोनी, प्रदेश कार्यसमिति भाजपा, पता शीतला वार्ड अम्बिकापुर छ०ग० द्वारा भाजपा कार्यालय सरगुजा जिला के लिए नमनाकला अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर स्थित शासकीय नजूल भूमि प्लाट नम्बर 243/1 रकबा 123841.8 वर्गफीट भूमि को आबंटित किये जाने की मांग की गई है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 09/10/2024 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है।नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 01/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सीतापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./121/अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक संगीता अग्रवाल पति श्री अनिल कुमार अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की ग्राम झरगंवा, तहसील बतौली, जिला सरगुजा, छ०ग० स्थित भूमि खसरा नंबर क्रमशः 156, 183, 184/1 रकबा क्रमशः 0.930, 0.219, 0.270 कुल रकबा 1.419 हे० भूमि को औद्योगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 16/10/2024 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति / दावा पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 30/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा द्वारा जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सीतापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सीतापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./120/अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक संगीता अग्रवाल पति श्री अनिल कुमार अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की ग्राम झरगंवा, तहसील बतौली, जिला सरगुजा, छ०ग० स्थित भूमि खसरा नंबर क्रमशः 185, 591/1, 592/1, 593, 594 रकबा क्रमशः 0.841, 0.0069, 0.233, 0.024, 0.085 कुल रकबा 1.252 हे० भूमि को औद्योगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 16/10/2024 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति/ दावा पेश कर सकते हैं।नियत तिथि के पश्चात्प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 30/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा द्वारा जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सीतापुर जिला-सरगुजा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.)

उद्धोषणा

क्रमांक 1339/वाचक-1/व्यपवर्तन/2024
पत्थलगांव, दिनांक 12/09/2024

एतद् द्वारा समस्त आम जनता ग्राम डुडूंगजोर, प.ह.नं. 07, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०) को सूचित किया जाता है कि आवेदक निर्दोष लकड़ा पिता संतोष लकड़ा, जाति उरांव, निवासी ग्राम झिंगरेल, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम डुडूंगजोर. प.ह.नं. 07 ख०नं० 162/4 रकबा 0.194 हे० 1965.24 वमी. स्थित आवेदित भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु मय आवेदित भूमि के नक्शा खसरा, बी-1 एवं रजिस्ट्री की छायाप्रति सहित छ.ग.भूरा संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 09.10.2024 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगाव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय/स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 12.09.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) /
सक्षम प्राधिकारी
पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न.02

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुवर सिंह पिता जवाहिर जाति पन्डों निवासी ग्राम तरका

प.ह.न. 02 रा.नि.नं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्री आरवी आ० कुवर सिंह का जन्म दिनांक 01.01.2014 को ग्राम तरका में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्री 01.01.2014 का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत तरका को आदेशित करने आवेदन पेश किया है।

जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 21/10/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 04/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान
जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधीकारी पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.)

//उद्धोषणा//

क्रमांक/03/वाचक-1/व्यपवर्तन/2024
पत्थलगांव, दिनांक 27/09/2024

एतद् द्वारा समस्त आम जनता ग्राम पत्थलगांव प.ह.न. 06, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक दयानिधि पिता सम्पतलाल जाति अधरिया निवासी ग्राम पत्थलगांव तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) के द्वारा ग्राम पत्थलगांव प. ह. नं. 06 खसरा नंबर 43/1/च रकबा 0.089 हे० 435.59 वर्गमीटर स्थित आवेदित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ (मकान निर्माण) के लिये व्यपवर्तन कराये जाने हेतु, मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 की छायाप्रति सहित छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 16.10.2024 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में न्यायालयीन समय प्रातः 10.30 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है, अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत दिनांक/समय / स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात्प्राप्त किसी भी दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 27.09.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) /
सक्षम प्राधिकारी
पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0-2024050212000......./अ-6/2023-24

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदकगण अंशुल सिंह, पूजा सिंह, आ. स्व. जमादार सिंह, रत्ना सिंह, निवासी आकाशवाणी रोड़, देवीगंज रोड़ अम्बिकापुर के पिता / पति जमादार सिंह के संयुक्त स्वामित्व व अधिपत्य की भूमि, नगर अम्बिकापुर शीट नं 01, मोहल्ला नावापारा, भू,ख,क्र. 3/37, 7/6 रकबा क्रमशः 0.08, 0.04 3/4 एकड़ भूमि है। भूधारक जमादार सिंह की मृत्यु दिनांक 09.09.2021 को हो जाने के कारण, फौति नामांतरण के आधार पर स्वयं का नाम दर्ज कराने बावत आवेदकगण द्वारा भूधारक जमादार सिंह के मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109,110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा /आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 23/10/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 01/10/2024 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सीतापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./122/अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदक संगीता अग्रवाल पति श्री अनिल कुमार अग्रवाल, जाति अग्रवाल, निवासी अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ०ग० के द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की ग्राम झरगंवा, तहसील बतौली, जिला सरगुजा, छ०ग० स्थित भूमि खसरा नंबर क्रमशः 184/2, 591/2, 592/2 रकबा क्रमश0.054, 0.062, 0.062 कुल रकबा 0.178 हे० भूमि को औद्योगिक प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 16/10/2024 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति / दावा पेश कर सकते हैं।नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति / दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 30/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पद मुद्रा द्वारा जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
सीतापुर जिला-सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/../अ-20(3)/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक प्रकाश कुमार एक्का आ० रामपाल एक्का जाति उरांव निवासी गुरूद्वारा वार्ड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की मोहल्ला कौवाडाड़ नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर 03 स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1526/3, 1527 रकबा कमशः 1415.07. 435.6 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेन्स खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 23/10/2024 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 04/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

संरक्षण का आभाव, नष्ट हो रही प्राचीन धार्मिक मूर्तियां

0 सुविधाओ के आभाव से गढ़वतिया धाम पहुंचने में श्रधालुओ को हो रही दिक्कत

0 नवरात्र पर पूजा अर्चना के लिए बड़ी संख्या में पहुंचते है श्रद्धालु

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी-बिहारपुर। क्षेत्र के महुली गांव में स्थित गढ़वतिया मां दुर्गा मंदिर में सुविधाओं के अभाव से माता भक्तों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि जिला मुख्यालय से 125 किमी दूर स्थित ग्राम महुली के गढ़वतिया पहाड़ पर मां अष्टभुजी का दरबार है। यहां चैत्र व शारदीय नवरात्र में मेले का आयोजन भी किया जाता है, लेकिन सुविधाओं के अभाव में भक्तों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यहां न तो बिजली है और न ही पेयजल की व्यवस्था, मां के धाम तक पहुंचने के लिए रास्ता का भी अभाव है। ग्रामीणों ने कुछ साल पहले सहायता राशि इकट्ठा कर सीढ़ी बनायी थी, लेकिन वह भी आधी-अधूरी होने से समस्या जस की तस बनी हुई है। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ हर रोज उमड़ रही है। श्रद्धालुओं की आस्था है कि यहां जो भी भक्त माता के दरबार में आते है, उन सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। गढ़वतिया धाम के मुख्य पुजारी सोमारसाय व जगमोहन ने बताया कि माता के भक्त श्रद्धा भाव से जो भी अर्पण करते है, माता उनकी मनोकामना जरूर पूरी करती हैं। इस धाम के आकर्षण का केंद्र यहां की प्राचीन मूर्तियां है। परंतु संरक्षण के अभाव में मूर्तियां टूटी पड़ी हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से माता के धाम में मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था कराने की मांग की है।

धरोहर में महुली के गढ़वतिया पहाड़, सीता लेखनी पहाड़ के शिलालेख और लक्ष्मण पंजा, चपदा गांव की गुफा, जोगी माड़ा, कुदरगढ़ के शैलचित्र शामिल हैं। गढ़वतिया पहाड़ में प्राचीन मूर्तियों का भंडार है, लेकिन संरक्षण के अभाव में बहुत सारी मूर्तियां टूट चुकी हैं और अस्त-व्यस्त बिखरी हुई हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मूर्तियों के संरक्षण व मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करवाने की मांग की है। बावजूद उसके अब तक प्रशासन ने कोई सुविधा उपलब्ध नहीं करा सकी है। ग्रामीणों ने मंदिर को दर्शनीय स्थल घोषित करते हुए श्रधालुओ की सुविधा के दृष्टिगत व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

स्तंभों पर शिवलिंग

पहाड़ी पर काले पत्थरों में बने शिवलिंग भी हैं, यहां इस तरह के लगभग 100 से अधिक पत्थर हैं। जब इन स्तंभों देखने पर पता चलता है कि काले पत्थरों से निर्मित स्तंभों के मध्य भाग में शिवलिंग बने हुए हैं। इसके दोनों ओर उमा महेश के दो उपासक वंदना की मुद्रा में दिखाए गए हैं। उनके ठीक ऊपर अभय की मुद्रा में हाथ उत्कीर्ण है। हाथ के दोनों ओर सूर्य और चांद की आकृति बनी हुई है और सबसे ऊपरी सिरे पर कलश की आकृति बनी हुई है। इनकी विशेषताओं के आधार इनका निर्माण काल संभवत: 9वीं से 12वीं सदी के बीच का हो सकता है। गढ़वतिया पहाड़ी पर कई सदी पुराने स्तंभ मिले हैं, पहाड़ के नीचे खाई में ऐसे कई अवशेष बिखरे पड़े हैं। काले पत्थरों से निर्मित स्तंभों में कुछ तो सही स्थिति में है, लेकिन कुछ जानकारी व सुरक्षा के अभाव में नष्ट होते जा रहे हैं।

राजा बालम ने करवाया था किला व मंदिर का निर्माण

मां गढ़वतिया धाम के संबंध में सोमार साय बैगा ने बताया कि पहाड़ पर शिव, गणेश, हनुमान, महिषासुर मर्दनी की मूर्ति भी देखने को मिलती हैं। इसे देखकर लगता है कि यहां कोई प्राचीन गढ़ रहा होगा। इसलिए इसका नाम गढ़वतिया पहाड़ पड़ा। मान्यता है। उन्होंने बताया कि इस पहाड़ी पर राजा बालम ने किला व मंदिर बनवाया था। राजा खैरवार जाति के थे, इसलिए पहाड़ी देवी की पूजा खैरवार जाति के बैगा ही करते हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर होंगे विविध आयोजन

कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु अधिकारियों को सौपें गए दायित्व

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसका सफल सम्पादन हो इसके लिए समय सीमा की बैठक में कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा उपस्थित अधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौंपें गये। उन्होंने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर होने वाला कार्यक्रम उत्कृष्ट स्तर का हो। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी में उपलब्धि, महत्वपूर्ण योजना एवं सफल परियोजना को विशेष रूप से प्रदर्शित करने हेतु कलेक्टर ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही 1 से 6 नवम्बर तक जिला मुख्यालय के समस्त शासकीय भवनों में रोशनी सुनिश्चित करने की बात कही गई। बैठक में ग्रामीण सचिवालय को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें तय ड्यूटी चार्ट के अनुरूप सभी अधिकारी अपने कर्तव्य का वाहन करें और अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करे, इसके लिए आवश्यक दिशा निर्देश कलेक्टर द्वारा किये गये। पंडों जनजाति के लिये लगाये जा रहे विशेष शिविर को लेकर भी चर्चा की गई। पंडों जनजाति के हितग्राहियों को शत-प्रतिशत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाये, इसके लिये शिविर में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को नियमित रूप से उपस्थित होने की बात कही गई। बैठक में सयुंक्त कलेक्टर नरेंद्र पैकरा, एसडीएम जगन्नाथ वर्मा व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

धान खरीदी केन्द्रों में सभी अवश्य तैयारियां पूरी करने के निर्देश

कलेक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में सोमवार को कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में संयुक्त कलेक्टर नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवानी जायसवाल, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे ।कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कामकाजों की समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदारों को निर्देशित किया कि आम जनता की सभी समस्याओं को ध्यान से सुनें एवं संबंधित सभी प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बैठक में भूमि अधिग्रहण, सीमांकन, डायवर्सन, त्रुटि सुधार, बंदोबस्त, खसरा एवं नक्शा त्रुटि सुधार, अविवादित, विवादित नामांतरण, बंटवारा, भूमि आबंटन, जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, पटवारी की उपलब्धता और अभिलेख दुरुस्तीकरण, भू-राजस्व वसूली, भू-अर्जन प्रकरणों का मुआवजा भुगतान की स्थिति आदि की विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर श्री व्यास ने बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के लिए कहा।कलेक्टर श्री व्यास ने 15 नवंबर से शुरू होने वाले धान उपार्जन की तैयारी को लेकर भी सभी अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने सभी खरीदी केन्द्रों में अवश्य सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर श्री व्यास ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को कहीं भी शासकीय भूमि पर अतिक्रमण होने पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

स्कूल भवन से शिक्षिका का कब्जा हटाने पंचायत ने किया प्रस्ताव पारित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विकासखंड प्रेमनगर अंतर्गत संचालित हायर सेकेंडरी स्कूल उमेश्वरपुर की शिक्षिका के व्यवहार से त्रस्त ग्राम पंचायत उपेश्वरपुर के जनप्रतिनिधि जो शिक्षिका द्वारा हाई स्कूल के पुराने भवन को कब्जा कर अपना निवास स्थान बना कर रखा गया है। वही उमेश्वरपुर हालही में उपतहसील बनने पर उपतहसील का संचालन भी हाई स्कूल के पुराने भवन में होता है लेकिन शिक्षिका के निवास के कारण उपतहसील संचालन में कठिनाई उत्पन्न हो रहा है। ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों के द्वारा शिक्षिका से कब्जा मुक्त कराने एक प्रस्ताव पारित किया गया है। प्रस्ताव पारित करने के दौरान ग्राम पंचायत उमेश्वरपुर सरपंच राम सिंह, उप सरपंच वीरेंद्र जायसवाल, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य चंद्रपाल लकड़ा, लखन सिंह, ज्ञान साहू, विकास साहू, आर्यन गुप्ता, लोकेश साहू, विजेंद्र दास, पुष्पराज, व ग्रामीण जन उपस्थित थे।

पीड़ितों की मदद के लिए स्वास्थ्य कर्मियों ने भी बनाई संवेदना समिति

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। वर्तमान समय में जब हमारे समाज में ऐसी असामजिकता और असंवेदनशीलता की भावना बन गई है,किसी परिवार के एक सदस्य के कठिन परिस्थिति में उसी परिवार का सक्षम सदस्य भी सहयोग करने की भावना नहीं रखते,ऐसी स्थिति में जिले के उर्जावान और मानवता की भावना को अपने जीवन में महत्व देने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों के पहल पर पूरे जिले के सभी नियमित-अनियमित, रिटायर्ड स्वास्थ्य कर्मचारियों को एक परिवार मानते हुए, उनके किसी सदस्य के कठिन परिस्थिति में सभी के सहयोग से यथास्थिति आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए अभिनव और पारदर्शी व्यवस्था स्वास्थ्य संवेदना समिति सूरजपुर का गठन किया गया है।पहल को क्रियान्वित करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष में सभी सदस्यों के सहयोग से आज पहली बार रामानुजनगर में पदस्थ स्टाफ नर्स श्रीमति राजकुमारी के आश्रित परिजन का उपचार समय पर शुरू हो सके उसके लिए स्वास्थ्य संवेदना समिति के द्वारा पच्चीस हजार रुपए नगद तत्कालिक सहायता के रूप में प्रदान किया गया।समिति के द्वारा सहायता राशी उपलब्ध कराने में रामानुजनगर ब्लाक प्रतिनिधि अमर सिंह उच्चारिया, वी सी पटेल ,नरेंद्र ठाकुर राबर्ट लकड़ा, श्रवीण कुमार ने त्वरित पहल किया।इस संवेदनशील पहल से सहायता प्राप्त होने पर रामानुजनगर मे पदस्थ राजकुमारी सिंह द्वारा समिति को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए जिले के सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों को स्वास्थ्य संवेदना समिति सूरजपुर की सदस्यता लेने के लिए अपील किया गया।

हाथियों से कैसे बचें धान की तैयार खड़ी फसल,किसान चिंतित

वन विभाग के पास नही है कोई ठोस रणनीति, किसानों में रोष

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। इस अच्छी बारिश से धान के फसल की जोरदार उम्मीद लगाए बैठे किसानों के सामने हाथी बड़ी चुनौती के रूप में सामने आ रहे है।हाथी,जिनके लिए धान की खड़ी फसल सबसे बड़ा चारा है,जो किसानों पर भारी पड़ने वाला है मगर इन हाथियों के सरपरस्त वन विभाग के पास ऐसा कोई प्लान नही है जिससे किसानों की धान बच जाए और हाथियों का भी उदरपोषण हो सके।यही वजह है कि कई बार इंसान व हाथी के बीच चल रहे संघर्ष में दोनो ओर से जानमाल की बड़ी क्षति हो रही है। जिले का प्रतापपुर, प्रेमनगर व ओड़गी ब्लॉक ऐसे है जो हाथी प्रभावित इलाकों में शुमार है।ओड़गी व प्रेमनगर तो फिर भी कुछ राहत है पर प्रतापपुर ब्लॉक तो हाथियों का पर्याय ही बन गया है। यहां से आये दिन हाथी की खबरें सुर्खियां बनती है। बहरहाल,इन ब्लॉक के ग्रामीण इस बात को लेकर चिंतित है कि धान की तैयार खड़ी फसल को हाथियों के कैसे बचाया जाये, वन विभाग के पास कोई ठोस रणनीति है नही इससे किसान और चिंतित है। ऐसे में इस तरह से अपनी आंखों के सामने फसल को हाथियों को खाते और बर्बाद करते देखकर किसानों के सामने कोई विकल्प नहीं है। कांग्रेस नेता शिव भजन मरावी ने कहा कि, शासन- प्रशासन की लापरवाही के कारण हमारे किसान बर्बाद हो रहे हैं। लोग डर में जीने को मजबूर हैं, ऐसे में अगर कोई ठोस पहल देखने को नहीं मिलती है तो हम आंदोलन करेंगे।

स्काउटिंग से स्काउट गाइड बनते है सक्षम और आत्मनिर्भर, प्रेमनगर बीएसजी का द्वितीय सोपान शिविर संपन्न

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत स्काउट गाइड ब्लॉक इकाई प्रेमनगर के द्वारा स्काउट गाइड का द्वितीय सोपान शिविर का आयोजन नवापारा कला मे पदेन कमिश्नर स्काउट व डीईओ आर. एल. पटेल के निर्देशानुसार व सहायक पदेन कमिश्नर व बीईओ राजीव कुमार सिंह के यह तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। जिसके समापन ग्रैंड कैंप फायर कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि जिपं सदस्य अजय कुमार श्याम , विशिष्ट अतिथि पत्रिका दास उप सरपंच, सत्यम कुमार विश्वकर्मा युवा मोर्चा अध्यक्ष, प्रदीप साहू, दर्शन सिंह, अखिलेश साहू, रामरतन साहू, सेवानिवृत्त प्रधान पाठक आई. अंसारी, बीपीओ रमेश कुमार जायसवाल, नवापारा प्राचार्य आलोक भट्टाचार्य, बालक उ. मा. विद्यालय प्रेमनगर प्राचार्य विपिन कुमार पाण्डेय, पीएम श्री सेजेस प्राचार्य आर. बी. सिंह, महेशपुर प्राचार्य भजन सिंह की उपस्थिति रही जिसमें विकास खंड के 11 हाई / हायर सेकेण्डरी विद्यालय के 161 स्काउट गाइड ने भाग लेकर स्काउटिंग गतिविधियों के बारे में अनेक जानकारियों को प्राप्त किया। इस शिविर में जिला प्रशिक्षक के रूप में जिला काउंसलर गोवर्धन सिंह, नंद कुमार सिंह, सुश्री कौशिल्या मलिक, सरीता गोस्वामी, ब्लॉक प्रशिक्षक स्काउटर रामबिहारी सिंह, मोहन नेताम, तेज दास, कमलेश टेकाम, अशोक साहू, जमुना राजवाड़े, सावित्री कँवर, सुश्री जयवन्ति सिंह, सुश्री करुणा पटेल, सुश्री वैष्णो गुप्ता ने शामिल होकर स्काउट गाइड को स्काउटिंग शिक्षा दी गई । द्वितीय सोपान शिविर में प्रतिदिन सुबह सबसे पहले नितक्रिया के बाद बीपी सिक्स कराया गया जिसमें बेडेन पावेल के छः व्यायाम शामिल है जो सेहत पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।भोजन बनाना और दिशा की जानकारी जैसे अनेक गतिविधियों की जानकारी प्रशिक्षकों के द्वारा दी गई। स्काउट गाइड का मूलमंत्र समाज सेवा है इससे छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है इसका आदर्श वाक्य तैयार रहो है। जिससे स्काउट गाइड के अंदर ऊर्जा आती है और किसी भी कार्य को करने त्वरित तैयार हो जाते हैं। स्काउटिंग और गाइडिंग के उद्देश्य चार है जिसमें पहला चरित्र का गठन है, दूसरा ध्वनि स्वास्थ्य की आदतों का निर्माण है, तीसरी हस्तकला में प्रशिक्षण और उपयोगी कौशल प्राप्त करना है और चौथे कुशलता से सेवा की एक उचित भावना की खेती है। इस लक्ष्य का पीछा करने से स्काउट और गाइड में अच्छी नागरिकता का विकास होता है। इस द्वितीय सोपान कार्यक्रम के उदबोधन में जिपं सदस्य श्याम ने कहा स्काउटिंग से स्काउट गाइड के अंदर संस्कार के साथ नेतृत्व की भावना का विकास होता है जो उनके जीवन के हमेशा काम आती है व श्रेष्ठ नागरिक के रूप में समाज के सामने रहते हैं। इस दौरान व्याख्याता जितेंद्र कुमार सिंगरौल, राधेश्याम किरण, मृत्युंजय पाण्डेय, पूरन सिंह, ज्योति साव, सुदेश भगत, अंकुश रघुवंशी, उर्वशी सिंह छात्रावास अधिक्षिका , मोहन मरावी प्रधान पाठक, राजेंद्र दुबे प्रधान पाठक, ओंकार सिंह छात्रावास अधीक्षक, सुदर्शन सिंह प्रधान पाठक, अजय भारद्वाज, महेन्द्र गबेल, द्वितीय सोपान शिविर संचालक व ब्लॉक सचिव असफाक अली, सहायक शिविर संचालक, ब्लॉक काउंसलर व जिला मिडिया प्रभारी कृष्ण कुमार ध्रुव, स्काउटर राम बिहारी सिंह, विजय कुमार, मोहन नेताम, कमलेश टेकाम, अशोक साहू, जमुना प्रसाद राजवाड़े, प्रवीण एक्का, सावित्री कँवर, सुश्री जयवन्ति सिंह, सुश्री वैष्णो गुप्ता, सुश्री करुणा पटेल सहित विकास खंड के अनेक शिक्षकगण साथ में समस्त स्काउट गाइड व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अनुशासित व्यक्तिव के रूप में समाज में बनाये छवि

स्थानीय साधु राम विद्या मंदिर मेंतीन दिवसीय द्वितीय सोपान स्काउट्स एवं गाइड्स शिविर का समापन विद्यालय के डायरेक्टर राहुल अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं विद्यालय के प्राचार्य प्रभाकर उपाध्याय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। शिविर में कुल 49 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया एवं स्काउटिंग एवं इसके उद्देश्यों से अवगत हुए। यह एक आवासीय शिविर था जिसमे विद्यार्थी एक निश्चित समय सारिणी का पालन करते हुए अपनी दिनचर्या बीता रहे थे। प्रातः 6 बजे से व्यायाम से प्रारंभ होने वाले दिन से लेकर रात में कैंप फायर तक विद्यार्थी अलग अलग विधाएं जैसे गांठ बांधना, स्कार्फ का विपत्ति में कैसे उपयोग करे, दूसरों के सहायता करना और सबसे महत्वपूर्ण अनुशासित जीवन जीना। प्राचार्य प्रभाकर उपाध्याय द्वारा प्रथम दिवस स्काउट एवं गाइड का ध्वजारोहण कर शिविर की शुरआत की गई थी। इस अवसर पर उप प्राचार्य डी डी तिवारी, व्यायाम शिक्षक सुरेश कुमार, संजय सिदार, शिक्षिका संगीता यादव, सोनकुंवर भी उपस्थित रहे। शिविर का संचालन स्काउट एवं गाइड के जिला सचिव उमेश गुर्जर एवं सरिता गोस्वामी द्वारा किया गया जिन्होंने विद्यार्थियों को कैंप एवं अनुशासन के साथ स्काउटिंग के इतिहास के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दिए। शिविर सह संचालक के रूप में विद्यालय के संजय सिदार ने भी विद्यार्थियों को शिविर की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। समापन समारोह के अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर द्वारा बच्चों को आशीर्वचन में शिविर में सिखाए गए सभी क्रियाकलापो को अपने में आत्मसार कर दैनिक जीवन में उसे उतरना और एक अनुशासित व्यक्तिव के रूप में समाज में अपनी छवि बनाने को कहा।

दशहरा पर स्टेडियम ग्राउंड में होगा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

0 तैयारी में जुटी समिति 0 आकर्षक आतिशबाजी के साथ होगा रावण दहन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। परम्परा अनुसार दशहरा पर्व उत्साह से मनाने की तैयारी युद्ध स्तर पर की जा रही है। सूरजपुर सेवा समिति के तत्वाधान में रावण दहन के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

इस वर्ष करीब 55 फिट के रावण समेत कुम्भकर्ण व मेघनाथ के पुतलों का दहन आकर्षक आतिशबाजी के साथ किये जाने की तैयारी है। स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित समस्त कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि एवं जिले के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। रावण दहन के पूर्व शहर में बाजे गाजे के साथ राम दरबार की विशाल शोभायात्रा निकलेगी जो नगर भ्रमण पश्चात स्टेडियम ग्राउंड पहुंचेगी। जहां राम रावण युद्ध का मंचन एवं सांस्कृतिक कार्यकम आयोजित किये जाएंगे। इसके लिए विशाल मंच एवं स्टेडियम मैदान में समुचित व्यवस्था की जा रही है।देर रात तक चलने वाले इस आयोजन में देवी एवं भक्ती गीतों के साथ आकर्षक झांकी बाहर से आये कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। समिति के अनुसार इस बार नगर को आयोजन में नयापन देने की भी तैयारी है जो विशेष आकर्षण होगा। गत वर्ष चुनावी अचार सहिंता लगे होने के कारण प्रशासन की ऐसे कार्यकर्मो से दूरी थी किंतु इस बार ऐसा न होने से उम्मीद है कार्यक्रम दुगने उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

भक्ति में डूबे लोग....

इन दिनों समूचा नगर शक्ति की भक्ति में डूबा हुआ है।नगर के तमाम गली मोहल्लों में मां जगत जननी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की जा रही है।जिससे शाम होते ही मन्त्रो की गूंज व देवी आराधना से भक्ति का माहौल बन रहा है।इधर भैयाथान रोड स्थित डीपीएस इस वर्ष स्वर्ण महोत्सव मना रहा है जिसे लेकर दुर्गा पंडाल को नयनाभिराम साज सज्जा की गई है जो शहर के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

इसके साथ ही शहर के विभिन्न मार्गों पर सजे पंडालो में विभिन्न प्रतियोगिताओं व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से शहर में धार्मिकता के साथ मनोरंजन का खुशनुमा माहौल बना हुआ है।

कोरिया फ्रंटलाइन

शिराज हुसैन के दुर्घटना में कट गये थे दोनों पांव, फिर भी बचा ली जान

स्वास्थ्य मंत्री के माध्यम से मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से मिली दस लाख रूपए की मदद

■ योजना से मिली मदद से संभव हो पाया उपचार

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़/चिरमिरी (एमसीबी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में कुशल स्वास्थ्य प्रबंधन और त्वरित उपचार को प्राथमिकता देने का कार्य लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना की मदद से जरूरतमंद लोगों को लगातार मदद मिल रही है। पांच जुलाई को कोण्डागांव से

रायपुर आ रहे 25 वर्षीय युवक शिराज हुसैन की मोटरसायकिल, ट्रक से दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। दुर्घटना में शिराज के दोनो पांव ट्रक के नीचे आ गए थे। उसके परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नही थी कि एक निजी अस्पताल में भर्ती उसके उपचार का खर्च वह उठा सकें। गंभीर रूप से घायल शिराज को राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से उपचार के लिए 10 लाख रू. की मदद दी गई। इस आर्थिक मदद से शिराज हुसैन का बेहतर इलाज संभव हो पाया और उसकी जान बच सकी। हालांकि दुर्घटना के बाद 90 फीसदी इन्फेक्शन से ग्रसित शिराज की जान बचाने के लिए डाक्टरों को उसके दोनों पैर काटने पड़े। शिराज का विवाह छः माह पूर्व ही हुआ था। उसका ससुराल रायपुर में है। दुर्घटना के दिन युवक कोण्डागांव से रायपुर अपने ससुराल ही आ रहा था। इसी दौरान अभनपुर के पास वह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। शिराज हुसैन की ईलाज के दौरान दो बार इन्पुटेशन ग्राफ्टिंग डिब्राइटमेंट फ्लेप सर्जरी की गई। इसकी वजह से उसकी जान बचाई जा सकी है। शिराज हुसैन की कुछ दिनों बाद ही अस्पताल से छुट्टी हो जायेगी।

स्वास्थ्य मंत्री के माध्यम से मिली मदद

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से दुर्घटनाग्रस्त युवक शिराज हुसैन के परिजनों ने बेहतर इलाज की मांग की थी। श्री जायसवाल के द्वारा मरीज के परिजनों को मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के बारे में जानकारी देते हुये आवेदन करने को कहा। जिसके बाद इलाज के लिए 10 लाख रूपए की सहायता प्राप्त हुई। शिराज हुसैन के परिजनों ने दुर्घटना के बाद उसके बचने की आस छोड ही दी थी, लेकिन मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना की मदद के माध्यम से वो अब पूरी तरह स्वस्थ है और कुछ दिनों में अपने घर पहुंच जायेगा।

गौपालन करके बेहतर आजीविका स्तर की ओर बढ़ रहा है राजेश दास का परिवार

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत अकुशल श्रम से आजीविका की ओर का नारा अब कई मेहनतकश परिवारों के लिए वरदान साबित हो रहा है। पहले केवल मनरेगा के अकुशल रोजगार पर आश्रित रहने वाले श्रमिकों के परिवार अब आजीविका के संसाधन हो जाने से स्वरोजगार की ओर आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में उन्हे कम समय में बेहतर कमाई का जरिया मिल रहा है जो उन्हे आर्थिक मजबूती प्रदान कर रहा है। ऐसे ही एक पंजीकृत श्रमिक ग्राम पंचायत कसरा में रहने वाले राजेश दास अब गौपालन से प्रतिमाह आठ से दस हजार रूपए अतिरिक्त लाभ ले रहे हैं। कोरिया जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर जनपद के अंतर्गत एक ग्राम पंचायत है कसरा। यहां रहने वाले श्री राजेश दास का मनरेगा के एक पंजीकृत श्रमिक हैं और उनके पास ज्यादा कृषि भूमि ना होने के कारण वह रोजगार की तलाश में रहते थे। उनके परिवार के जाब कार्ड में उन्हे केवल 100 दिन की अकुशल मजदूरी मनरेगा के

तहत प्राप्त हो पाती थी। इसके बाद वह अपने घर से 15 किलोमीटर दूर बैकुण्ठपुर शहर आकर मजदूरी करने के लिए बाध्य रहते थे। ऐसे में इस पंजीकृत श्रमिक ने अपने आजीविका में गौपालन कर दुग्ध उत्पादन को एक स्वरोजगार की तरह आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। राजेश ने अपने ग्राम पंचायत में आवेदन देकर पक्का पशु शेड बनाए जाने का प्रस्ताव रखा। ग्राम सभा द्वारा उनके प्रस्ताव को पारित किए जाने पर कलेक्टर एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक की अनुशंसा से उन्हे ग्राम पंचायत के माध्यम से शेड बनाए जाने की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई। मनरेगा के प्रावधानों में पैरा पांच के अंतर्गत वंचित तबके से आने वाले श्री राजेश दास के परिवार के लिए एक लाख पच्चीस हजार रूपए की लागत से ग्राम पंचायत के माध्यम से यह कार्य इस वर्ष मार्च महीने से प्रारंभ हुआ और जून माह में पूर्ण हुआ। पक्का शेड बन जाने के बाद इन्होने अपने घर में दो दुधारू गाय पालन प्रारंभ किया है जिससे इन्हे हर दिन सात आठ लीटर दूध का उत्पादन प्राप्त हो रहा है। इस दूध को स्थानीय स्तर पर बेचकर राजेश का परिवार अब हर माह आठ से दस हजार रूपए की आमदनी प्राप्त करने लगा है। राजेश कहते हैं कि जल्द ही वह एक और उन्नत नस्ल की गाय लेंगे ताकि उनका दुग्ध उत्पादन लगातार जारी रहे और उनके परिवार की आय का जरिया बना रहे। महात्मा गांधी नरेगा के तहत बना एक छोटा सा संसाधन इस परिवार के लिए एक सफल संसाधन बनकर उभर रहा है।

जिले के 54 दर्शनार्थी आज अयोध्या धाम के लिए रवाना

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी 'श्रीरामलला दर्शन' अयोध्या धाम यात्रा योजना के अंतर्गत पहले चरण में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के 54 श्रद्धालु श्री रामलला के दर्शन के लिए आज रवाना हुये। इस योजना का लाभ लेने हेतु पहले चरण में जिले के लोगों ने अपना आवेदन प्रस्तुत किया था। कलेक्टर श्री डी. राहुल वेंकट के निर्देशन एवं परियोजना निदेशक नितेश उपाध्याय के मार्गदर्शन में 54 यात्रियों का चयन

किया गया। अयोध्या धाम यात्रा हेतु आयु सीमा न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम 75 वर्ष निर्धारित की गई है। तीर्थयात्री के लिए यात्रा में शमिल होने के लिए नगर निगम चिरमिरी, मनेंद्रगढ़ शहरी, खड़गवां तथा भरतपुर के दर्शनार्थीओं के लिए अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन हेतु वाहन व्यवस्था किया गया है। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से दोपहर 12 बजे ट्रेन से श्रद्धालु आगे का सफर करेंगे। सभी की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तीर्थ यात्रियों के बस को यहां से सुबह रवाना कर दिया गया।

बहादुर कलारिन सम्मान वर्ष 2024 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष, नारी उत्थान हेतु अभूतपूर्व कार्य करने वाली राज्य की महिलाओं को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से प्रतिवर्ष बहादुर कलारिन सम्मान प्रदान किया जाता है इसके तहत एक महिला को 2.00 लाख रू. की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका सम्मान के रूप में प्रदान किए जाने का प्रावधान है। उपरोक्त विषय के संबंध में विस्तृत जानकारी कार्यालय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग से भी प्राप्त कर सकते हैं। पात्र अभ्यर्थी अपना आवेदन 10 अक्टूबर 2024 तक कार्यालय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में जमा कर सकते हैं।

स्वच्छता को प्रत्येक नागरिक जीवन शैली का अंग बनाएं: डॉ सरोज बाला

महाविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़े का समापन

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार इस वर्ष भी स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन तन्मयता पूर्वक किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.सरोजबाला श्याग बिश्नोई के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में महाविद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र छात्राओं के लिए महाविद्यालय के इको क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में निबंध, स्लोगन, पोस्टर एवं स्वच्छता क्विज जैसे विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। एसईसीएल महाप्रबंधक हसदेव क्षेत्र के द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरुस्कृत किया गया।

प्रतियोगिताओं का आयोजन नवीन शासकीय कन्या महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ - चिरमिरी- भरतपुर मैं भी हुआ जिसमें छात्राओं ने बड़े उत्साह से समस्त प्रतियोगिताओं में भाग लिया प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं को 2 अक्टूबर को महाप्रबंधक ऑफिस, हसदेव क्षेत्र, नई लेदरी में प्रभारी महाप्रबंधक मनोज विश्नोई द्वारा पुरस्कृत किया गया।महाविद्यालय के समस्त विभाग एवं महाविद्यालय के अध्यापन कक्ष, प्रयोगशाला एवं महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ बनाने के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के छात्र छात्रों ने एकजुट होकर श्रम दान किया। प्राचार्य द्वारा छात्र छात्राओं को स्वच्छता शपथ दिलाई एवं स्वच्छता ही सेवा भाव से समाज को स्वच्छ रखने की गुहार लगाते हुए स्वच्छता रेली निकली गई। गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रपिता के तेंलचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ विश्नोई ने छात्र छात्राओं को महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ रखने के लिए निर्देशित किया एवं आचार शुद्धि तथा चित्त शुद्धि द्वारा सर्वांगीण स्वच्छता प्राप्ति के लिए एकाग्रता एवं अनुशासन के महत्व को समझाया।

जिले के प्रभारी मंत्री श्री नेताम की उपस्थिति में आगामी 10 अक्टूबर को लगेगा आवास मेला

प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों की सहूलियत के लिए सामग्री प्रदाता भी होंगे उपस्थित

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों के लिए जिले के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम के आतिथ्य में आवास मेला आयोजित किया जाएगा। आगामी 10 अक्टूबर को जिला पंचायत कोरिया के आडिटोरियम में एक दिवसीय प्रधानमंत्री आवास मेला का आयोजन किया जाएगा। इसमें अविभाजित कोरिया जिले के सभी जनपद पंचायतों के पात्र हितग्राहियों के साथ कोरिया एवं एमसीबी जिले के अलग अलग क्षेत्रों के सामग्री प्रदाताओं को भी शामिल किया जाएगा जिससे आने वाले समय में हितग्राहियों को आवास बनाने के लिए सभी संसाधन सहजता

से मिल सकेंगे। इस आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अविभाजित कोरिया जिले के 18 हजार 212 पात्र हितग्राहियों को योजना के अंतर्गत इस वित्तीय वर्ष में लाभान्वित कराया जा रहा है। सभी पात्र हितग्राही जल्द से जल्द अपना पक्का आवास पूर्ण कर सकें इसके लिए उन्हें संसाधन सामग्री प्रदान करने वालों के संपर्क में लाने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ डॉ चतुर्वेदी ने बताया कि इस आयोजन में जिले के प्रभारी मंत्री व छत्तीसगढ़ शासन के केबिनेट मंत्री श्री रामविचार नेताम जी उपस्थित होंगे। साथ ही क्षेत्र के सम्मानीय विधायक गण भी आयोजन में शामिल होंगे। सम्मानीय जनप्रतिनिधियों के हाथों पात्र हितग्राहियों को आवास पूर्णता पर उपहार भेंट कर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही पात्रता अनुसार योजना का लाभ पाने वाले हितग्राहियों को उनके आवास की स्वीकृति हेतु आदेश प्रदान किया जाएगा। जिला पंचायत सीइओ डॉ आशुतोष ने बताया कि आवास मेला के आयोजन के दौरान माननीय जनप्रतिनिधिगण पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के तहत पात्रतानुसार विभिन्न आदान सामग्री का भी वितरण करेंगे।

संविदा पदों की भर्ती के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना

बैकुंठपुर। जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 26 सितंबर 2024 को संविदा रिक्त पदों की पूर्ति के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। इस संदर्भ में जिला पंचायत ने आवेदकों को सूचित किया है कि जो आवेदक पूर्व में 03 सितंबर 2024 को प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर आवेदन पत्र कार्यालय जिला पंचायत को भेज चुके हैं, उन्हें दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। उनके पूर्व में भेजे गए आवेदन मान्य होंगे।

सीएमएचओ डॉ. प्रशांत सिंह ने विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रशांत सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पटना का निरीक्षण किया, जिसमें जन औषधि केन्द्र को तत्काल प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पटना के सभाकक्ष में सुपरवाइजर सेक्टर बैठक में सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों का समीक्षा बैठक भी लिया गया जिसमें शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने निर्देश दिये गये। उन्होंने दैनिक डायरी और टुर प्रोग्राम बनाने और राष्ट्रीय कार्यक्रमों का सुचारू रूप से संचालन के निर्देश दिए ताकि शत प्रतिशत उपलब्धि हों सके वहीं प्रत्येक बैठक में समीक्षा

किया जाएगा। डॉ सिंह ने 10 अक्टूबर तक घर-घर पहुंचकर आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिए ताकि शत-प्रतिशत कार्ड बन सके। उन्होंने टी.बी. कार्यक्रम के अंतर्गत ज्यादा से ज्यादा लोगों से खखार जांच कराने, कुष्ठ कार्यक्रम के तहत शरीर में दाग धब्बे की जांच कराने की भी बात कही ताकि समय पर टीबी मरीजों व कुष्ठ मरीजो की उपचार हो सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रशांत सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र टेंगनी का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभारी को समुचित साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए साथ ही लक्ष्य के अनुसार संस्थागत प्रसव कराने के लिये निर्देश दिया गया।

स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन के संचालक मंडल की हुई बैठक

मनेन्द्रगढ़ में बेवरेज डिपो या गोदाम खोलने पर बनी सहमति, चार जिलों को होगी सप्लाई

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन के संचालक मंडल की बैठक सोमवार को रायपुर के आबकारी भवन में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की। संचालक मंडल की इस बैठक में बेवरेज कारपोरेशन के विभिन्न एजेंडों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सर्वप्रथम 21 अगस्त को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णयों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 के वित्तीय विवरणों का अनुमोदन भी किया गया। बैठक में बेवरेज कार्पोरेशन द्वारा दुर्ग एवं बिलासपुर के गोदामों

में हाउस कीपिंग कार्य के लिए निविदा जारी करने कार्य का अनुमोदन किया गया, साथ ही अरसनारा-दुर्ग गोदाम के लिए एक नग जेनरेटर क्रय करने की भी स्वीकृति प्रदान की गयी। अध्यक्ष श्याम बिहारी जायसवाल ने सरगुजा संभाग में वाइन की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं आस पास के जिलों में स्टाक उपलब्धता के लिए मनेंद्रगढ़ में बेवरेज डिपो या गोदाम के संचालन का प्रस्ताव रखा जिस पर संचालक मंडल ने अपनी सहमति प्रदान की । मनेन्द्रगढ़ में बेवरेज गोदाम खुलने से गौरेला पेंड्रा मरवाही, मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर, कोरिया और सूरजपुर जिलों की वाइन दुकानों के लिए स्टाक का स्टोरेज किया जाएगा। बैठक में सचिव वाणिज्य कर आबकारी श्रीमती आर संगीता, प्रबंध संचालक स्टेट बेवरेज कार्पोरेशन श्याम धावड़े, सचिव वित्त विभाग श्रीमती शारदा वर्मा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

महिला उत्थान के लिए मिनी माता सम्मान वर्ष 2024 हेतु आवेदन आमंत्रित

एमसीबी। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं विशेष रूप से अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक महिलाओं के उत्थान हेतु उत्कृष्ट कार्य करने वाली राज्य की एक महिला या अशासकीय संस्था को प्रतिवर्ष मिनी माता सम्मान (महिला उत्थान) प्रदान किया जाता है। इसके तहत एक महिला या संस्था को 2.00 लाख रू. की राशि तथा प्रशस्ति पट्टिका सम्मान के रूप में प्रदान किए जाने का प्रावधान है। पात्र अभ्यर्थी अपना आवेदन 10 अक्टूबर 2024 तक कार्यालय जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में जमा कर सकते हैं ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा